website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 80 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 01 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

ईरान–इजरायल तनाव के बीच कई उड़ानें रद्द

- इंडिगो और एयर इंडिया ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

नई दिल्ली । मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच हवाई सेवाओं पर बड़ा असर पड़ा है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। लगातार हमलों और जवाबी कार्रवाई के चलते कई देशों

ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इसी बीच इंडिगो और एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि वह ईरान और आसपास के एयरस्पेस से जुड़े हालात पर लगातार नजर रख रही है। एयरलाइन के अनुसार यात्रियों और क्रू की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस जरूर जांच लें। किसी भी बदलाव की जानकारी यात्रियों को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल के माध्यम से दी जाएगी। वहीं एयर इंडिया ने भी मिडिल ईस्ट के हालात को देखते हुए कई उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया है। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट ऑपरेशन्स की लगातार समीक्षा की जा रही है और जरूरत पड़ने पर बदलाव किए जाएंगे। तनाव के चलते कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने भी उड़ानें रद्द कर दी हैं। विज एयर ने 7 मार्च तक इजरायल, दुबई, अबू धाबी और अम्मान की उड़ानें रोक दी हैं। लुफ्तांसा ने दुबई, तेल अवीव, बेरूत और मस्कट की उड़ानें अस्थायी रूप से बंद कर दी हैं। केएलएम ने एम्स्टर्डम से तेल अवीव की उड़ानें रद्द कर दी हैं, जबकि ओमान एयर ने बगदाद के लिए सभी उड़ानें रोक दी हैं। इजरायल और इराक ने अपना एयरस्पेस पूरी तरह बंद कर दिया है। कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात ने भी हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जबकि सीरिया ने आंशिक रूप से एयरस्पेस बंद किया है। यात्रियों को यात्रा से पहले फ्लाइट की जानकारी जांचने की सलाह दी गई है।

बोलीविया में नोटों से भरा सैन्य विमान हादसे का शिकार

- 15 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया में शुक्रवार (27 फरवरी) को बड़ा विमान हादसा हो गया। राजधानी ला पाज के पास स्थित एल अल्टो शहर में बोलीविया एयरफोर्स का हरक्यूलिस C-130 सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे

में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 30 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार शाम करीब 6 बजे हुई। बताया जा रहा है कि विमान लैंडिंग या टेकऑफ के दौरान संतुलन खो बैठा और रनवे से फिसल गया। इसके बाद विमान एयरपोर्ट की बाउंड्री मेश तोड़ते हुए पास की सड़क पर जा गिरा और कई वाहनों से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कई कारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दमकल विभाग के प्रमुख पावेल टोवर ने बताया कि मृतकों में कुछ लोग विमान में सवार थे, जबकि कुछ सड़क पर मौजूद वाहन चालकों के भी मारे जाने की आशंका है। हादसे के बाद सड़क पर बड़ी मात्रा में नए बैंक नोट बिखरे हुए दिखाई दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सैन्य विमान देश के विभिन्न हिस्सों में नई मुद्रा पहुंचाने जा रहा था। मौके पर मौजूद लोगों ने सड़क पर बिखरे नोटों के वीडियो बनाए, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार विमान ने सांता क्रूज़ शहर से उड़ान भरी थी और एल अल्टो एयरपोर्ट पर उतरते समय हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना के बाद एल अल्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। वहीं राष्ट्रीय एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान उसके बेड़े का हिस्सा नहीं था। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

शंकराचार्य मामले पर अखिलेश यादव का हमला

- BJP पर लगाए साजिश के आरोप

यूपी। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कन्नौज दौरे के दौरान बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि डिप्टी सीएम शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को फंसाने की साजिश कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी किसी भी हद तक जा सकती है और उसका स्तर बहुत नीचे गिर चुका है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर सरकार छीनी गई, लेकिन कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। अखिलेश ने युवाओं को रोजगार न मिलने और किसानों को एमएसपी का लाभ न मिलने का मुद्दा भी उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के सीएम पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सरकार केवल वादे कर रही है, जमीन पर काम नहीं दिख रहा है।

कांग्रेस ने सेना को हथियारों और वर्दी के लिए तरसाया, अजमेर में PM का बड़ा बयान

अजमेर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया। कायड़ विश्रामस्थली में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकारों के समय सेना के जवानों को हथियारों और वर्दी तक के लिए तरसना पड़ा। उनके इस बयान के बाद सभा स्थल पर मौजूद समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी की। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कांग्रेस के शासनकाल को निशाने पर लेते हुए कहा कि देश की सेनाओं को कमजोर करना और भारत को बदनाम करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक सैनिकों और उनके परिवारों को वन रैंक वन पेंशन (OROP) जैसी महत्वपूर्ण सुविधा से वंचित रखा। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों के दौरान विदेशों से होने वाले रक्षा सौदों में बड़े-बड़े घोटाले सामने आए।

11 वर्षों में सेना ने हर मोर्चे पर दिखाया पराक्रम

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर आतंकवादियों और देश के दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सेना ने सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर दुनिया को भारत की ताकत का एहसास कराया है। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर विभिन्न सैन्य अभियानों तक भारतीय सेना ने अपनी वीरता का परिचय दिया है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेताओं ने इन सफल अभियानों पर भी सवाल उठाकर दुश्मनों के झूठ को आगे बढ़ाया और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे पर राजनीति की।

कांग्रेस पर देशहित के फैसलों का विरोध करने का आरोप

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर देशहित के फैसलों का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश के लिए जो भी अच्छा होता है, कांग्रेस उसका विरोध करती है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि देश की जनता कांग्रेस को लगातार सबक सिखा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले रक्षा सौदों में पारदर्शिता की कमी रहती थी, लेकिन अब मेक इन इंडिया के तहत स्वदेशी हथियार और रक्षा उपकरण तैयार किए जा रहे हैं, जिससे सेना की ताकत और आत्मविश्वास दोनों बढ़े हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा बना प्रमुख मुद्दा

अजमेर की इस जनसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना का मुद्दा प्रमुखता से उभरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सैनिकों के हितों को सर्वोपरि रखा है और दशकों से लंबित वन रैंक वन पेंशन की मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि आज भारत की सीमाएं पहले से अधिक सुरक्षित हैं और आतंकवाद के खिलाफ देश की नीति स्पष्ट है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब आतंक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाता है और जरूरत पड़ने पर दुश्मनों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया जाता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा बना प्रमुख मुद्दा

अजमेर की इस जनसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना का मुद्दा प्रमुखता से उभरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सैनिकों के हितों को सर्वोपरि रखा है और दशकों से लंबित वन रैंक वन पेंशन की मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि आज भारत की सीमाएं पहले से अधिक सुरक्षित हैं और आतंकवाद के खिलाफ देश की नीति स्पष्ट है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब आतंक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाता है और जरूरत पड़ने पर दुश्मनों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया जाता है।

ट्रंप ने तेहरान पर हमले का मकसद 'सरकार गिराना' बताया

- ईरान की जनता से बोले, 'आपके पास आखिरी मौका'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर इजरायल के साथ मिलकर की गई कार्रवाई का मकसद वर्तमान सरकार को गिराना और आम ईरानियों को सत्ता पर काबिज होने की छूट देना बताया। ट्रंप ने हमलों की पुष्टि करते हुए आठ मिनट का वीडियो बयान जारी किया। उन्होंने कहा, "इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के सदस्यों, सैन्य बलों और सभी पुलिस कर्मियों से मैं कहना चाहूंगा कि अपने हथियार डाल दें और खुद को बचा लें, वरना आपकी मौत तय है।" ट्रंप का दावा है कि ईरान में अमेरिका का सैन्य ऑपरेशन बहुत बड़ा है और अभी भी चल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "इस कार्रवाई का मकसद अमेरिका और उसके लोगों को खतरे से बचाना है।" ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है। ट्रंप ने आगे कहा कि जून में ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद भी ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम छोड़ने के विकल्प पर विचार नहीं किया। उन्होंने "हमारी ओर से सुझाए मौके को तरजीह नहीं दी, इसलिए अब और इंतजार नहीं किया जा सकता।" उन्होंने कहा है कि ईरान में चल रही सैन्य कार्रवाई के दौरान कुछ अमेरिकी सैनिकों की जान जा सकती है। उन्होंने कहा कि युद्ध में ये नुकसान हो सकता है, लेकिन यह कदम भविष्य की सुरक्षा के लिए उठाया जा रहा है। यूएस के राष्ट्रपति ने ईरानी जनता से कहा, "ईरान के महान लोगों से, मैं कहना चाहता हूं कि आपकी आजादी का समय आ गया है। सुरक्षित रहें। अपने घर से बाहर न निकलें। बाहर बहुत खतरा है। हर जगह बम गिर रहे होंगे।" फिर सलाह दी, "जब हमारा काम हो जाएगा, तो अपनी सरकार पर कब्जा कर लीजिएगा। यह आपकी होगी। यह शायद पीढ़ियों के लिए आपका एकमात्र मौका होगा।" ट्रंप ने अपनी बात को विराम देते हुए कहा, "कई सालों से, आपने अमेरिका से मदद मांगी है, लेकिन आपको कभी नहीं मिली... तो देखते हैं आप कैसे जवाब देते हैं। अमेरिका बहुत पूरी ताकत के साथ आपका साथ दे रहा है। अब समय आ गया है कि आप अपनी किस्मत पर कंट्रोल करें और अपने पास मौजूद खुशहाल और शानदार भविष्य को सामने लाएं। यह एक्शन लेने का समय है। इसे जाने न दें।"

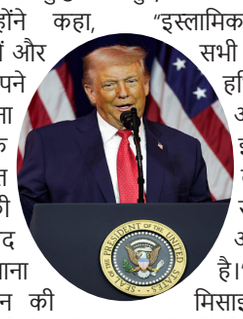

कोर्ट के फैसले के बाद AAP का बयान

बोली – सच्चाई की जीत और तानाशाही की हार

नई दिल्ली । दिल्ली आबकारी नीति मामले में अदालत के फैसले के बाद आम आदमी पार्टी ने इसे सच्चाई की जीत और तानाशाही की हार बताया है। पार्टी ने कहा कि तथाकथित दिल्ली आबकारी घोटाला मामले को खारिज करने वाली सीबीआई की विशेष अदालत का फैसला मोदी सरकार के मुंह पर करारा तमाचा है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी को खत्म करने की कोशिश में बीजेपी के साथ कांग्रेस भी शामिल रही। पार्टी ने कहा कि अदालत का 598 पन्नों का फैसला इस मामले को मुकदमे के लायक भी नहीं मानता और इससे यह साबित होता है कि यह मामला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जेल भेजने की साजिश था। आप ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगियों की ईमानदार छवि खराब करने के लिए यह मामला बनाया गया था और उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर पार्टी को तोड़ने की कोशिश की गई।

बीजेपी की राजनीति पर लगाए आरोप

आम आदमी पार्टी ने कहा कि अदालत के फैसले ने बीजेपी की राजनीतिक दुश्मनी और झूठ पर आधारित राजनीति को बेनकाब कर दिया है। पार्टी के अनुसार बीजेपी अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करना चाहती थी, जिन्हें वह चुनाव में नहीं हरा पा रही थी। आप ने केंद्रीय जांच एजेंसियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अदालत के फैसले से उनकी साख को भारी नुकसान पहुंचा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि एजेंसियां राजनीतिक दबाव में काम कर रही थीं और आबकारी मामले में सीबीआई की भूमिका पर उठे सवालों को देखते हुए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

कांग्रेस पर भी साधा निशाना

आप ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस की भूमिका भी संदिग्ध रही और उसी ने काल्पनिक आरोपों के आधार पर इस मामले की शुरुआत की, जिसे बाद में बीजेपी को सौंप दिया गया। पार्टी का आरोप है कि आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप से खत्म करने के लिए यह पूरा मामला तैयार किया गया था। पार्टी ने दावा किया कि अदालत के फैसले से यह साफ हो गया है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई अनुचित लाभ नहीं पहुंचाया गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल या उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ किसी भी गलत काम का कोई ठोस सबूत नहीं मिला। आम आदमी पार्टी ने कहा कि यह फैसला एक बार फिर साबित करता है कि पार्टी कट्टर ईमानदार है।

होली से पहले उज्ज्वला परिवारों को फ्री सिलेंडर

यूपी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली से पहले उज्ज्वला योजना के करीब 1.86 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर देने की घोषणा की है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि यह सुविधा केवल होली ही नहीं, बल्कि दीपावली पर भी दी जाएगी ताकि गरीब परिवारों को राहत मिल सके। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर पर सब्सिडी भी दी जा रही है, जिसमें प्रति रीफिल लगभग 335 रुपये सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजे जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि हर परिवार सम्मानपूर्वक त्योहार मना सके। योगी आदित्यनाथ ने महिला सुरक्षा और स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि बालिकाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पिछली सरकारों पर परिवारवाद और जातिवाद का आरोप भी लगाया।

सीएम योगी के जापान दौरे पर अखिलेश यादव का तंज, बोले - टोक्यो गए थे तो क्योटो भी हो आते

यूपी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर-जापान दौरे को लेकर तंज कसा है। सपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के विदेश दौरे का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार के साथ उनके संबंधों पर भी टिप्पणी की और कहा कि अगर वे क्योटो भी होकर आ जाते तो बेहतर रहता। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "टोक्यो जाने वाले अगर चाहते तो बुलेट ट्रेन पकड़कर क्योटो भी हो आते और 'प्रधान इच्छा' की पूर्ति के लिए थोड़ा अनुभव ले आते, लेकिन इस तरह कन्नी काटकर आना अच्छी बात नहीं। देश के अंदर का दुराव विदेश की धरती पर जाकर भी निभाना कोई भाजपाइयों से सीखे।"

केशव मौर्य पर भी साधा निशाना

अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जर्मनी दौरे को लेकर भी चुटकी ली। उन्होंने लिखा कि जर्मनी जाकर भी किसी ने वहां का साइकिल हाईवे नहीं देखा और न ही भारत में नव धनाढ्य की निशानी बन रही मर्सिडीज़ का म्यूजियम देखा। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि किसी ने यह भी बताया कि कार देखने की अनुमति तो मिल सकती थी, लेकिन बैठने के लिए 'सीट' नहीं मिलती। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर और जापान के दौरे पर गए थे, जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जर्मनी और ब्रिटेन दौरे के लिए रवाना हुए थे। हालांकि जर्मनी के बाद उन्हें ब्रिटेन का वीजा नहीं मिल पाने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा।

क्योटो मॉडल को लेकर तंज

अखिलेश यादव अपने व्यंग्यात्मक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी को क्योटो जैसा विकसित करने का वादा किया था और सपा अध्यक्ष ने इसी मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा। अखिलेश यादव का कहना है कि केंद्र और राज्य के बीच दूरी की वजह से ही वाराणसी में मेट्रो परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही है।

राजस्थान के तीन शहरों के नाम बदलने का ऐलान

- माउंट आबू अब आबूराज कहलाएगा

जयपुर। राजस्थान में नाम परिवर्तन को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक फैसला सामने आया है। राज्य सरकार ने तीन शहरों के नाम बदलने का ऐलान किया है, जिसमें प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू का नाम बदलना भी शामिल है। अब माउंट आबू को आबूराज के नाम से जाना जाएगा। सिरोही जिले में स्थित माउंट आबू लंबे समय से राजस्थान और देशभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। सरकार के फैसले के अनुसार भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर का नाम बदलकर यज्ञपुर किया जाएगा। जहाजपुर एक ऐतिहासिक कस्बा है जिसकी पहचान प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ी रही है। वहीं डीग जिले के कामां का नाम बदलकर कामवन करने का निर्णय लिया गया है। कामां ब्रज क्षेत्र की संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ माना जाता है।

मुख्यमंत्री ने सदन में किया ऐलान

तीनों शहरों के नाम बदलने की घोषणा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान की। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि यह फैसला स्थानीय नागरिकों की मांग, ऐतिहासिक संदर्भों और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते

हुए लिया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर नाम परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। सरकार के इस फैसले के बाद तीनों शहरों में खुशी का माहौल बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नए नाम उनकी परंपरा और पहचान को और मजबूत करेंगे। कई संगठनों ने इसे ऐतिहासिक भूल सुधार की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

नाम बदलने पर विपक्ष ने उठाए सवाल

हालांकि विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की है। कांग्रेस ने नाम परिवर्तन का सीधा विरोध नहीं किया, लेकिन विकास के मुद्दे को प्रमुख बताते हुए सवाल उठाए हैं। राजस्थान कांग्रेस के मीडिया प्रभारी और महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि नाम बदलने से ज्यादा जरूरी इन शहरों में सड़क, पानी, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। उनका आरोप है कि सरकार असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए ऐसे फैसले ले रही है। फिलहाल सरकार के इस फैसले से प्रदेश की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है और अब सबकी नजरें आधिकारिक नोटिफिकेशन और आगे की प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

AI के लिए पीएम मोदी का 'MANAV' मंत्र

नई तकनीक अपने साथ उत्साह लाती है और आशंकाएं भी। इतिहास में मानवता ने जितने भी बड़े बदलाव देखे, वे इन्हीं मिली-जुली भावनाओं के साथ अपनाए गए। AI के साथ भी ऐसा ही है, लेकिन इस बार भावनाएं ज्यादा तीव्र हैं। वजह कि बदलाव की रफ्तार बेहद तेज है और असर व्यापक। ऐसे में इंडिया AI इम्पैक्ट समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस विजन और जिम्मेदारी की बात कही है, उसकी पूरी दुनिया को जरूरत है। इसी से तय होगा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आगे चलकर क्या रंग लाता है।

मानवतावादी दृष्टिकोण । पीएम मोदी ने AI के लिए 'MANAV' मंत्र दिया है। यह वो मानवतावादी दृष्टिकोण है, जो पारदर्शिता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और साझा विकास की बात करता है। जब कुछ देश तकनीक और संसाधनों पर कब्जा चाहते हैं, तब भारत का संदेश है कि एकाधिकार टूटना चाहिए। कुछ देश प्रॉड्यूसर और बाकी केवल यूजर बनकर नहीं रह सकते। गूगल के CEO सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयर ब्रैड स्मिथ ने भी तकनीक के जरिये इसी समानता की बात कही है।

पारदर्शिता और भरोसा । AI से उम्मीद है कि वह विकसित और विकासशील देशों के बीच की खाई को पाटने में मदद कर सकता है। ऐसा भरोसा कभी इंटरनेट ने भी जगाया था, पर विभिन्न देशों के विभिन्न नियम-कायदों ने उसे कई खांचों में बांट दिया। लेकिन, AI की क्षमता इससे आगे की है। इसकी बढ़त का फायदा सभी को मिल सकता है, बशर्ते पारदर्शिता हो। समिट में भारत ने अपनी सोच रखी कि कोड ओपन हों और शेयर किए जाएं, तभी उन्हें ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सकता है।

नियमों की जरूरत । वैश्विक साझेदारी इसलिए भी जरूरी है ताकि AI के गलत इस्तेमाल को रोका जा सके। डीपफेक और फर्जी ऑडियो-विडियो-फोटो कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती हैं और इनका सामना कमोबेश सारे देश कर रहे। इसी वजह से भारत ने पिछले दिनों डिजिटल नियमों को ज्यादा सख्त किया है। पीएम मोदी ने ग्लोबल स्टैंडर्ड की बात कही है, जो वक्त की जरूरत है।

क्षमता का प्रदर्शन । इस समिट के जरिये भारत ने दिखाया है कि उसके पास AI के लिए बेहतरीन इकोसिस्टम बनाने की क्षमता है। UPI इसका उदाहरण है, जिसकी तारीफ इस आयोजन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की।

सोशल मीडिया तय कर रहा सुंदरता के मानक: तकनीक से बुढ़ापा थामने की चाहत हुई हावी, अब खतरे में है चेहरे की स्वाभाविकता

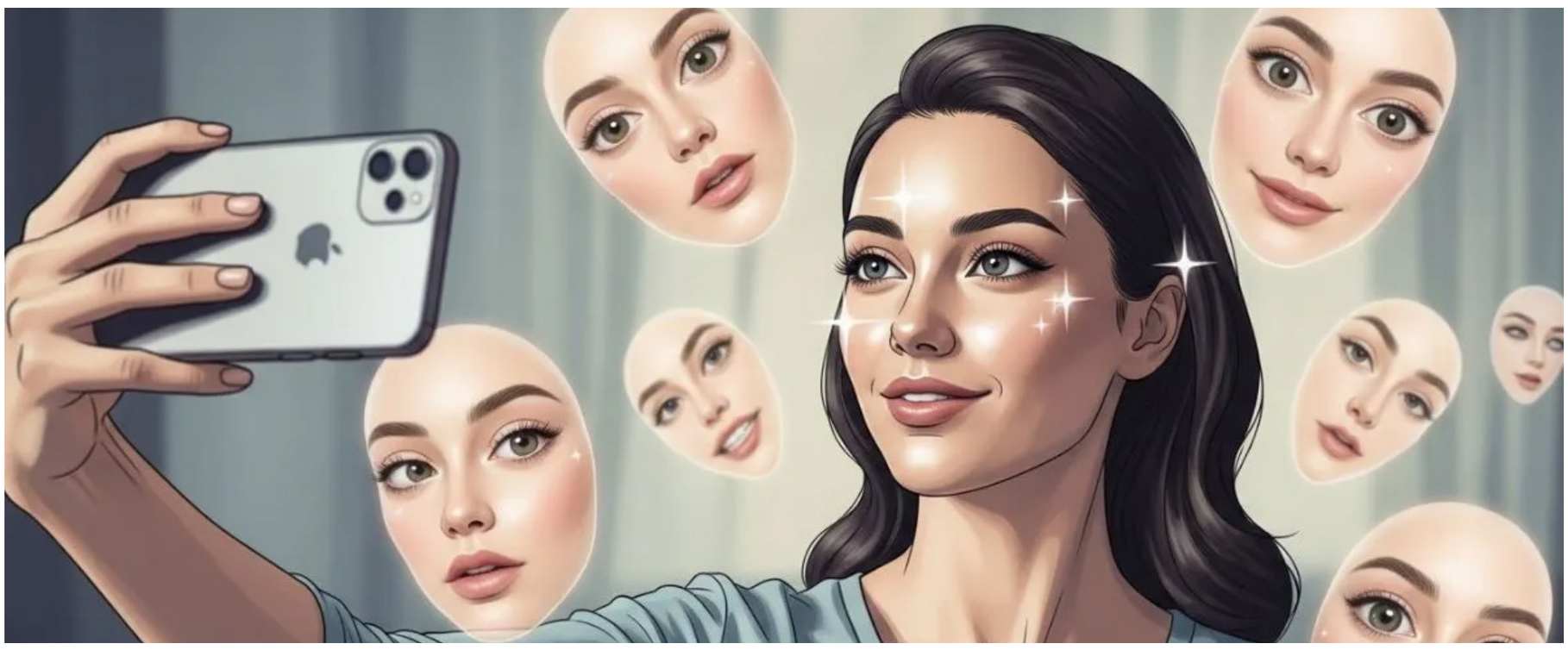

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्क

कभी माना जाता था कि इंसान का चेहरा उसकी सबसे खास और स्थायी पहचान है, जो समय के साथ अपनी एक कहानी बयां करता है। समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल का तर्क था कि हमारी आंखें, नाक और मुंह मिलकर एक ऐसा अनूठा चेहरा बनाते हैं जो हमें 'एक व्यक्ति' के तौर पर समाज में पहचान दिलाता है। लेकिन आज के डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में चेहरा भी कपड़ों के फैशन की तरह हो गया है, जिसे जब चाहे तकनीकी सर्जरी या फिल्टर के जरिए बदला जा सकता है।

इंटरनेट और सोशल मीडिया के नए 'चेहरा लेबल'

इंटरनेट की दुनिया में अब चेहरे को एक व्यक्तित्व के बजाय एक 'लेबल' की तरह देखा जाने लगा है। वर्तमान में कई ऐसे शब्द प्रचलित हुए हैं जो हमारी बदलती पहचान को दर्शाते हैं:

आईफोन फेस: यह शब्द उन आधुनिक चेहरों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो कॉस्मेटिक बदलावों या सर्जरी के कारण इतने आधुनिक दिखते हैं कि वे किसी ऐतिहासिक फिल्म या नाटक के किरदारों में फिट नहीं बैठते।

मार-ए-लागो फेस: यह उन महिलाओं के लिए व्यंग्य के रूप में कहा जाता है, जो अत्यधिक बोटोक्स और सर्जरी के कारण पूरी तरह से एक 'प्लास्टिक लुक' में तब्दील हो चुकी हैं।

इंस्टाग्राम फेस: सोशल मीडिया ने सुंदरता के ऐसे कठोर पैमाने तय कर दिए हैं कि अब हर दूसरा चेहरा फिल्टर के प्रभाव से एक जैसा दिखने लगा है। चिंताजनक बात यह है कि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) भी इसी बनावटी रूप को एक 'आदर्श चेहरा' मानने लगा है।

एल्गोरिदम का घातक असर: खत्म हो रही चेहरों की विविधता

मानवविज्ञानी डॉ. मैकइवन के अनुसार, आज की तकनीक पूरी तरह से एल्गोरिदम पर टिकी है जो विविधता को खत्म कर उसे एक सबसे सामान्य पैटर्न में ढाल देती है। जिस तरह यूट्यूब आपकी पसंद को एक दायरे में सीमित कर देता है, वैसे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विजुअल पहचान को एक जैसा बना रहे हैं। जो चेहरे प्लेटफॉर्म पर ज्यादा लाइक और शेयर पाते हैं, एल्गोरिदम उन्हें ही 'आदर्श' मानकर प्रमोट करता है, जिससे समाज में एक ही तरह की सुंदरता का दबाव बढ़ रहा है।

मेडिकल तकनीक और उम्र को 'रिवर्स' करने की होड़

एंथ्रोपोलॉजिस्ट डॉ. लॉरेल मैकइवन का कहना है कि शरीर में बदलाव करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन आज की आधुनिक तकनीक ने इसकी सटीकता और क्षमता को अकल्पनीय रूप से बढ़ा दिया है। मॉडर्न मेडिकल साइंस और लेजर जैसी उन्नत तकनीकों की मदद से अब चेहरे का आकार, रंग और पिगमेंट पूरी तरह बदला जा सकता है। अब लोग केवल सुंदर दिखना नहीं चाहते, बल्कि उम्र के हर निशान को मिटाकर उसे पूरी तरह पलटने (Reverse Aging) की कोशिश कर रहे हैं।

फिल्टर से ऊब और वास्तविकता की ओर वापसी

हालांकि सोशल मीडिया पर बनावटी चेहरों का चलन चरम पर है, लेकिन अब एक बड़ा वर्ग इस कृत्रिम सुंदरता और सर्जरी वाले चेहरों से ऊबने लगा है। दुनिया भर में अब फिर से प्राकृतिक और 'असली' दिखने की चाहत बढ़ रही है। ब्रिटिश अभिनेत्री एमी लू वुड जैसे सितारों को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन यह साबित करता है कि लोग अब फिर से वास्तविकता की ओर लौट रहे हैं। दुनिया अब धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि असली चेहरे और उनकी झुर्रियां ही इंसान की वास्तविक पहचान और गरिमा हैं।

शहीदी दिवस

सुनील कुमार महला

चंद्रशेखर आज़ाद : क्रांति, साहस व आत्मसम्मान की अमर गाथा

महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आज़ाद का आज 27 फरवरी को शहीद दिवस है। वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आज़ाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की। इनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में हुआ तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गांव में बीता, जहां उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी। इनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और 'आज़ाद' नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम 'आज़ाद', पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और पता 'जेलखाना' बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आज़ाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया, किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था-'दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आज़ाद ही रहे हैं, आज़ाद ही रहेंगे।' आज़ाद ने शपथ ली थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने 'पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी' नाम से संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें 'क्विक सिल्वर' (पारा) कहते थे। वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। भगत सिंह उन्हें सम्मान से 'पंडित जी' कहते थे। दोनों की जोड़ी को 'आग और हवा' की तरह माना जाता था, जहां भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आज़ाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे। महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई। बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। उल्लेखनीय है कि आज़ाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे। 27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की। जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर पर गोलियां चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुंचे। आज़ाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुंचे। निष्कर्षतः चंद्रशेखर आज़ाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

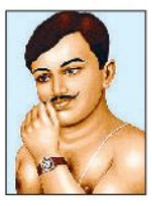

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

साधना से ही मिलता है वास्तविक सुख

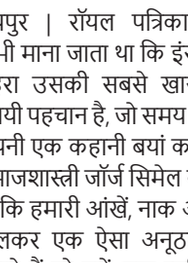

संकलित

दर्शन

अधिकांश व्यक्ति आज भौतिक मूल्यों के उपासक बन गए हैं। इस कारण जीवन के धर्म एवं मर्म को भुला बैठे हैं। उनकी इस उपासना ने दुनिया के बाह्य जगत को बड़ा सुहावना, लुभावना और आकर्षक बना दिया है। जबकि वास्तविक सुख आंतरिक सौंदर्य, अंतर्जगत की जागृति एवं अंतर्यात्रा से ही संभव है। भौतिक आकर्षण के पीछे मनुष्य दौड़ रहा है। यदि वह क्षण भर रुककर गंभीरता से सोचे तो उसे पता चलेगा कि यह सब भ्रम जाल है। जीवन वह नहीं, जिसे वह जी रहा है। संत एकनाथ ने कहा है कि धन जोड़कर भक्ति का दिखावा करने से कोई लाभ नहीं, क्योंकि ऐसा करने से मन में वासना और भी बढ़ जाएगी और जिनका चित्त वासना में फंसा हुआ है, उन्हें अंतरात्मा के दर्शन कैसे हो सकते हैं। वास्तविक सुख पाने के लिए व्यक्ति भक्ति यानी साधना की ओर प्रवृत्त होता है। स्थायी सुख की प्राप्ति भक्ति पर ही निर्भर है। भक्ति से मन को वश में करना है और मन को वश में करने का सरल उपाय है उसे परमात्मा के हेतु निरंतर भले कार्यों में लगाए रखना। महात्मा गांधी ने प्रेमा बहन के नाम लिखे पत्र में लिखा है-जो लोग कृष्ण-कृष्ण कहते हैं वे उसके पुजारी नहीं हैं। जो उनका काम करते हैं, वे ही पुजारी हैं। रोटी-रोटी कहने से पेट नहीं भरता, अपितु रोटी खाने से ही भरता है। मन को वश में लाने का अभ्यास अनेक प्रकार का होता है। इन अभ्यासों को ही भक्ति यानी साधना कहा गया है। जिस व्यक्ति ने स्वयं को शांति-अशांति, मान-अपमान और सुख-दुख से निर्लिप्त बना लिया है, वही निर्विघ्न शांति में स्थित रह सकता है।

गरीब विद्वान व राजा भोज, बने भाई-भाई

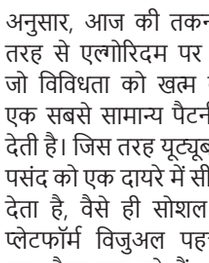

संकलित

प्रेरणा

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछाः आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहाः जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो.. वह सोचने लगेः मेरा तो कोई भाई है नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछाः क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहाः मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछाः कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोलाः महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछाः मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दियाः राजन्, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

समय से पहले खिले फूल

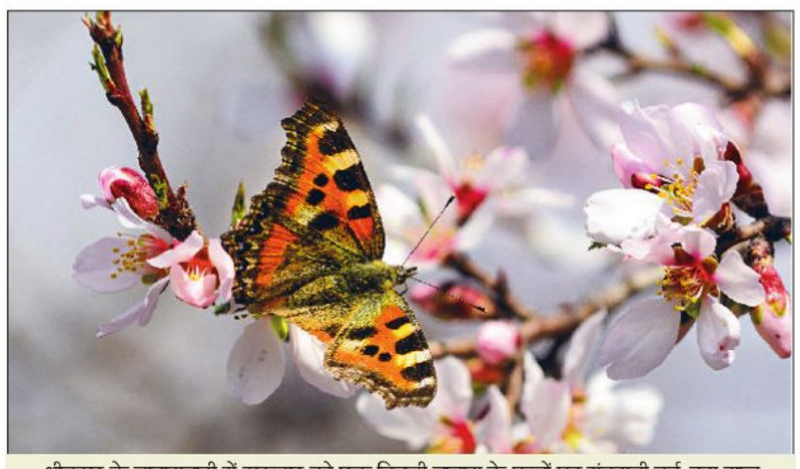

श्रीनगर के बादामवारी में गुरुवार को एक तितली बादाम के फूलों पर मंडराती हुई, इस साल पेड़ों पर असामान्य रूप से फूल जल्दी खिले हैं, जो मौसम के बदलते पैटर्न का संकेत है।

आज की पाती

विधायकों के भत्ते या फिजूलखर्ची

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाएं हमेशा चर्चा और बहस का विषय रही हैं। वेतन और भत्तों का मूल उद्देश्य यह माना जाता है कि निर्वाचित प्रतिनिधि आर्थिक चिंता से मुक्त होकर जनता की सेवा कर सकें। लेकिन जब इन सुविधाओं का आकार बढ़ता है और उनके उपयोग में पारदर्शिता कम दिखाई देती है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। हाल ही में बिहार विधानसभा द्वारा विधायकों और विधान पार्षदों के लिए मासिक टेलीफोन भत्ता बढ़ाकर 8300 रुपए करने का निर्णय सामने आया है। इस फैसले की सबसे खास बात यह है कि यह राशि बिना किसी बिल या वाउचर के दी जाएगी। यानी खर्च का प्रमाण देना अनिवार्य नहीं होगा। यही कारण है कि यह विषय अचानक सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बन गया है। - ललित बंझोर, रायपुर

ट्रेंड

मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स

हमारी सरकार ने गोंदिया-जबलपुर, पुनारख-किऊल और गम्हरिया-चांडिल के बीच तीन मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में आर्थिक विकास तेज होने के साथ-साथ रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आतंकवाद स्वीकार नहीं

भारत और इजरायल पूरी तरह से स्पष्ट है कि आतंकवाद का दुनिया में कोई स्थान नहीं है। किसी भी रूप में, किसी भी अभिव्यक्ति में, आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता।हम कंधे-से-कंधा मिलाकर आतंकवाद और उनके समर्थकों का विरोध करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।
-पियुष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

गोवा में मिला अवसर

गोवा ने हमें एक छोटा सा अवसर दिया है, हम पूरी ईमानदारी और क्षमता से काम कर रहे हैं। हमें पूरे राज्य की सेवा करने का मौका दीजिए, और हम शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सड़के, बिजली और पानी जैसी व्यवस्थाओं में पंजाब की तर्ज पर बदलाव लाएंगे।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

ट्रंप की धमकी

आप सब जानते है, रूस हमारा पुराना दोस्त, हमको तेल बेचता था, ईरान हमको तेल बेचता था, हम सस्ते में वहां से लेते थे, लेकिन ट्रंप ने धमकी दी और ये बोले- यस सर। ट्रंप जो कहते है उसको- यस सर।
-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

ब्रिटेन में हिंदू मंदिर के बंद होने का खतरा

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में एक परिसर में मौजूद 40 साल पुराने हिंदू मंदिर और कम्युनिटी सेंटर के बंद होने का डर है, क्योंकि स्थानीय प्राधिकारियों ने इस भवन को बेचने के फैसले को सही ठहराया है जो मंदिर के लिए किराये पर दिया गया है। भारत हिंदू समाज मंदिर की स्थापना 1986 में शहर के न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स में हुई थी और कैमब्रिजशायर, नॉरफॉक तथा लिंकनशायर के बड़े इलाके के 13,000 से अधिक हिंदू यहां दर्शन करने आते हैं। मंदिर प्रशासन पीटरबरो सिटी काउंसिल से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए अभियान चला रहा है। इस महीने की शुरुआत में काउंसिल कैबिनेट की बैठक में यह कहा गया कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य दिलाने की उसकी कानूनी जिम्मेदारी/" है। वहीं, मंदिर ने एक बयान में कहा, हम भारत हिंदू समाज से जुड़े भवन की बिक्री की कड़ी निंदा करते हैं। समुदाय द्वारा बनाई गई संस्था को बंद दरवाजों के पीछे बिना पारदर्शिता या सहमति के नहीं बेचा जाना चाहिए। इसमें कहा गया, ''यह सिर्फ संपत्ति के बारे में नहीं है, बल्कि विरासत, भरोसे और जवाबदेही के बारे में है। समुदाय जवाब पाने का हक रखता है, गोपनीयता का नहीं। इस फैसले पर सवाल उठाए जाने चाहिए और इसका विरोध किया जाना चाहिए।''

ऑफ बीट

मानसिक समस्या जितनी गंभीर, सहानुभूति उतनी कम

समाज में चिंता (एंग्जायटी), अवसाद (डिप्रेशन) और एडीएचडी जैसी कुछ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों को पहले की तुलना में अब अधिक स्वीकार्यता मिली है। लोग अब कार्यस्थल, घर और सोशल मीडिया पर इनके बारे में खुलकर बात कर पाते हैं और अक्सर उन्हें सलाह भी मिलती है। यह बदलाव महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे मदद मांगना आसान हुआ है और संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को आधार बना कर कड़े कदम उठाना कठिन हो गया। लेकिन सार्वजनिक सहानुभूति समान रूप से नहीं मिलती है। कुछ स्थितियां व्यापक रूप से समझी जाती हैं, जबकि अन्य को अब भी संदेह और कठोर निर्णय का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे लोग कुछ बीमारियों से परिचित होते जाते हैं, वे बीमारियां मानसिक रोग की /"स्वीकार्य/" छवि तय करने लगती हैं। जो लक्षण इस छवि में फिट नहीं बैठते, उन्हें अलग नजर से देखा जाता है। यहां बात 'अस्वीकार्यता' से संबंधित है। शोध से पता चलता है कि अवसाद और चिंता के प्रति सामाजिक नजरिया नर्म है, जबकि शिज़ोफ्रेनिया और व्यक्तित्व विकारों (जैसे बॉर्डरलाइन या नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर) के प्रति समाज में अधिक दूरी और भय वाली सोच है। नौ अलग-अलग निदानों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि लोगों द्वारा दूरी बनाए रखने की इच्छा शिज़ोफ्रेनिया और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के मामलों में सबसे अधिक थी।

रॉयल पत्रिका

नरेन्द्र मोदी ने अजमेर से किया सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ

-प्रदेश को दी 16 हजार 686 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में अजमेर से प्रदेशवासियों को 16 हजार 686 करोड़ रुपये की लागत के 43 प्रमुख कार्यों एवं परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण की सौगात दी। इसमें लगभग 8 हजार 554 करोड़ रुपये की 34 परियोजनाएं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से तथा करीब 8 हजार 132 करोड़ रुपये की 9 प्रमुख परियोजनाएं केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग और ऊर्जा विभाग से जुड़ी हैं। इन विभागों में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, ऊर्जा, जल संसाधन, उद्योग, सार्वजनिक निर्माण, नगरीय विकास एवं आवासन, राष्ट्रीय राजमार्ग प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ने 4 हजार 516 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें लगभग 1 हजार 208 करोड़ रुपये की लागत से बांदीकुई से जयपुर तक 4 लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे व 1 हजार 114 करोड़ रुपये की लागत से दिल्ली-वडोदरा एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के पैकेज 14 सेक्शन में एनएच 76 जंक्शन से एनएच 12 पर उम्मेदपुरा गांव तक 8 लेन कैरिजवे का लोकार्पण किया गया। वहीं, प्रदेशभर में राष्ट्रीय राजमार्ग के विस्तार, सुदृढ़ीकरण और चौड़ाईकरण के लोकार्पण के विभिन्न कार्यों में 103 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए पर शाहपुरा से थानागाजी तक टू लेन सड़क, 546 करोड़ रुपये के देवगढ़ से राजस्थान गुजरात सीमा तक (चरण-एक) सड़क निर्माण कार्य, 190 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग 89 के (नया एनएच 58) अजमेर-नागौर सेक्शन के पेव शोल्डर के साथ टू लेन में अपग्रेडेशन एवं 110 करोड़ रुपये की लागत के जैसलमेर सम धनाना रोड़ के चौड़ाईकरण और सुदृढ़ीकरण के कार्य शामिल है। मोदी ने जयपुर में 286 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पम्प होते हुए मालपुरा गेट तक एलिवेटेड रोड, जोधपुर शहर में महामंदिर से अखल्या चौराहे तक 1 हजार 243 करोड़ रुपये की लागत से 4 लेन एलिवेटेड रोड, बारां जिले में 322 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के मालबमोरी-मांगरोल-बारां राज्य राजमार्ग एवं सवाईमाधोपुर में 111 करोड़ रुपये की लागत के एनएच

552 पर कुस्तला-सवाईमाधोपुर सेक्शन के फॉर लेन कार्य का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए जोधपुर पाली मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र (जेपीएमआईए) में 526 करोड़ रुपये के आधारभूत संरचना और पेयजल आपूर्ति से संबंधित विभिन्न कार्यों का शिलान्यास किया। इसी प्रकार स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के लिए नोनेरा वृहद् पेयजल परियोजना के 1021 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 4 पैकेज और परवन अकावद वृहद् पेयजल परियोजना के 2 हजार 247 करोड़ रुपये की लागत के 5 पैकेजों की एवं बीकानेर जिले के वृहद पेयजल परियोजना के 660 करोड़ रुपये के 2 कार्यों की आधारशिला रखी। बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर, हनुमानगढ़ एवं डूंगरपुर जिले में नहरों के विकास एवं जीर्णोद्धार के कार्यों का भी शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के प्रमुख केंद्रों से बिजली के सुगम पारेषण के लिए 3 हजार 616 करोड़ रुपये की पारेषण प्रणाली का लोकार्पण किया। साथ ही, 220 केवी के पांच और 400 केवी के दो ग्रिड सब-स्टेशन (जीएसएस) सहित 1781 करोड़ रुपये के विद्युत से जुड़े विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से दो युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में चयनित 21 हजार 863 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इनमें 3 हजार 320 पटवारी (राजस्व), 2 हजार 291 संविदा कनिष्ठ तकनीकी सहायक और संविदा लेखा सहायक (ग्रामीण विकास), 2 हजार 590 पशुधन सहायक, 281 पशु परिचर, 3 हजार 822 सीएचओ, 472 फार्मा असिस्टेंट, 203 कम्पाउन्डर आयुर्वेद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर 335, 7 हजार 357 पब्लिक हेल्थ केयर नर्स, मेडिकल लैब तकनीशियन, लैब तकनीशियन, नर्सिंग प्रभारी, नर्सिंग ट्रेनर, नर्सिंग ट्यूटर, नर्स, नर्स ग्रेड-द्वितीय एवं खनन विभाग में विभिन्न पदों पर 101 सहित स्कूल शिक्षा एवं अन्य विभागों की नियुक्तियां शामिल हैं।

टीकाकरण के बाद प्रधानमंत्री ने किया पांच बालिकाओं से संवाद

प्रधानमंत्री ने कायड़ विश्रामस्थली में बने टीकाकरण स्थल से सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ किया। उन्होंने 9 से 14 वर्ष की पांच बालिकाओं को एचपीवी (ह्मन पैपिलोमावायरस) टीका लगाए जाने के बाद उनसे संवाद भी किया।

सर्वाइकल कैंसर महिलाओं को प्रभावित करने वाला एक गंभीर रोग है। विश्व स्तर पर इसके लगभग 99 प्रतिशत से अधिक मामलों का मुख्य कारण एचपीवी संक्रमण है। टीकाकरण के लिए यू-विन प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

आईटी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने किया 'इनोवेशन पवेलियन' का उद्घाटन

-युवाओं का किया उत्साहवर्धन, बताए सफलता के सूत्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शुक्रवार शाम 'राजस्थान सीसाइड स्टार्टअप समिट—2026' में 'इनोवेशन पवेलियन' का उद्घाटन किया। उन्होंने कैम्पफायर टॉर्च जलाई और पवेलियन में लगाई गईं स्टॉल्स का अवलोकन कर युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि 'राजस्थान सीसाइड स्टार्टअप समिट—2026' में स्टार्टअप प्रतिभाओं को सीखने और खुद को आगे बढ़ाने के कई अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आयोजन के लिए ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन और आर्मेनिया सरकार का आभार जताया। कर्नल राठौड़ ने युवा स्टार्टअप संचालकों से कहा कि कभी हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने अपनी ओलंपिक यात्रा का उदाहरण देते हुए बताया कि सफर कभी आसान नहीं होता। ऐसे में जीतना है तो आगे बढ़ना जरूरी है। सत्र में आर्मेनिया गणराज्य के राजदूत वहागन आफ्यान ने कहा कि आर्मेनिया ऐसा देश है, जो राष्ट्र के विकास की राह सूचना प्रौद्योगिकी में मानता है। यही वजह है कि छोटा देश होने के बावजूद आर्मेनिया एआई, इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, फिनटेक, डीपटेक आदि क्षेत्रों में काफी आगे

है। सत्र को ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन के को—फाउंडर युवराज भारद्वाज और सीसाइड स्टार्टअप समिट के को—फाउंडर हाकोब हाकोबयान ने भी संबोधित किया।

'नेतृत्व एवं प्रभाव' पैनल डिस्कशन—

इससे पहले राजस्थान सीसाइड स्टार्टअप समिट—2026 में विभिन्न पैनल चर्चा का भी आयोजन किया गया। 'नेतृत्व एवं प्रभाव - नीति एवं नवाचार के माध्यम से भविष्य को आकार देना' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में दूरदर्शी नेतृत्व और उद्देश्य-प्रेरित विचारों द्वारा उद्यमिता को नए सिरे से परिभाषित करने पर मंथन हुआ। मॉडरेटर युवराज भारद्वाज ने नरेंद्र बंसल, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, इंटेक्स टेक्नोलॉजीज, निखिल नंदा, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, जेएचएस स्वेंडगार्ड, कौस्तुभ धवसे, मुख्य सलाहकार (महाराष्ट्र), रवि हरजाई, कंट्री हेड - लायबिलिटीज, इंडसइंड बैंक और एरिक बार्सेघयान, एंटरप्राइज आर्मेनिया के साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की। विशेषज्ञों ने कहा कि लाभ अपनी जगह है, लेकिन स्टार्टअप को सामाजिक प्रभाव का भी ध्यान रखना चाहिए। वक्ताओं ने नीति, नवाचार और डिजिटल क्षमता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जो समावेशी विकास के निर्माण में सहायक है।

'उद्देश्य-प्रेरित उद्यमों का उदय' पैनल डिस्कशन—

समिट के दौरान 'उद्देश्य-प्रेरित उद्यमों का उदय' विषय पर भी पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें मॉडरेटर धवल सिंघल, प्रोग्राम मैनेजर, आईस्टार्ट ने रितिका पंड्या, संयुक्त निदेशक, डीओआईटी, मन प्रीत सिंह, पार्टनर, गौ ऑर्गेनिक्स और विवेक चड्ढा, संस्थापक, एक्सलेर्टेक्स ने विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान मिशन-ड्रिवन विचारों द्वारा वास्तविक प्रभाव और स्थायी परिवर्तन पैदा करने वाले व्यवसायों के निर्माण पर चर्चा हुई। चर्चा ने रेखांकित किया कि आज के युग में उद्यमिता केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्देश्य ही व्यवसाय की असली ताकत बन गया है। वक्ताओं ने साझा किया कि कैसे उद्देश्य-केंद्रित विचार सामाजिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और समुदाय के कल्याण को व्यवसाय के केंद्र में रखकर दीर्घकालिक सफलता हासिल कर रहे हैं।

जयपुर पुलिस आयुक्त ने शिप्रापथ थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों को दी राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शनिवार को शिप्रापथ थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम मनीष अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा एवं सहायक पुलिस आयुक्त मानसरोवर आदित्य काकडे व संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारीगण उपस्थित रहे। सचिन मित्तल ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान कई परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देने के लिए थाना स्तर में प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत

रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस थाना मानसरोवर, शिप्रापथ, मुहाना, नारायण विहार एवं पत्रकार कॉलोनी क्षेत्र के परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त को बताकर समाधान पाया। जनसुनवाई की खास बात यह रही कि परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाता है। समय लगने वाली अन्य समस्याओं के जल्द समाधान के लिए भी निर्देश दिया जाता है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस आयुक्त द्वारा एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा एवं सामुदायिक भवन सांगानेर में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ:

प्रदेश में टीकाकरण के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अजमेर से एचपीवी (ह्मन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का राष्ट्र स्तरीय शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत पात्र आयु वर्ग की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी, जिससे भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को प्रभावी रूप से कम किया जा सके। प्रदेश में भी टीकाकरण के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। अभियान के प्रथम दिन प्रदेश में 188 टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को इस महत्वपूर्ण टीकाकरण अभियान से जोड़ें और उन्हें सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित भविष्य प्रदान करें। यह अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य सशक्तीकरण की दिशा में एक ठोस और दूरगामी कदम है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार यह टीकाकरण उन बालिकाओं को एकल डोज के रूप में दिया जाएगा, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, लेकिन 15 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं की है। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में दूसरा सर्वाधिक पाया जाने वाला कैंसर है। इस गंभीर बीमारी की रोकथाम के उद्देश्य से राज्य में व्यापक स्तर पर टीकाकरण की योजना बनाई गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 8 लाख

32 हजार से अधिक बालिकाएँ पात्र श्रेणी में आती हैं। टीकाकरण हेतु गार्डासिल-4 (Gardasil-4) नामक क्वाड्रीवेलेंट वैक्सीन का उपयोग किया जा रहा है, जिसे 0.5 मिलीलीटर की खुराक के रूप में बाएँ ऊपरी बांह में इंट्रामस्क्युलर रूप से दिया जाएगा। राजस्थान के सभी जिलों में 1000 स्वास्थ्य संस्थानों को एचपीवी टीकाकरण के लिए चिन्हित किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि प्रदेशभर में एचपीवी टीकाकरण के लिए कार्यशील कोल्ड चेन प्वाइंट, समर्पित चिकित्सा अधिकारी एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी से युक्त स्वास्थ्य संस्थानों का चयन किया गया है। प्रत्येक टीकाकरण स्थल पर वैक्सीनेटर, वेरिफायर, मोबिलाइज़र एवं वालंटियर सहित समर्पित टीम तैनात रहेगी। राज्य, जिला एवं स्वास्थ्य संस्थान स्तर पर एएनएम, आशा, वेरिफायर एवं मोबिलाइज़र का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है, जिससे अभियान का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

जिला स्तरीय रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन में हुआ नवचयनित कार्मिकों का सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की युवा सशक्तिकरण एवं रोजगारोन्मुखी पहल के तहत जिला स्तरीय रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन का आयोजन एचसीएम रीपा के भगवत सिंह मेहता सभागार में हुआ। कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त जयपुर श्रीमती पूनम मुख्य अतिथि रहीं तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने की। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जयपुर जिले के 400 युवाओं को वेलकम किट प्रदान किये गए। इस अवसर पर 20 नवनियुक्त कार्मिकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। समारोह में कायड़ विश्राम स्थली, अजमेर में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेशवासियों को 16 हजार 686 करोड़ रुपये की लागत के 43 प्रमुख विकास कार्यों एवं परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण की सौगात दी। इनमें लगभग 8 हजार 554 करोड़ रुपये की 34 परियोजनाएं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से संबंधित हैं, जबकि करीब 8 हजार 132 करोड़ रुपये की 9 प्रमुख परियोजनाएं केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग एवं ऊर्जा विभाग से जुड़ी हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, ऊर्जा, जल संसाधन, उद्योग, सार्वजनिक निर्माण, नगरीय विकास एवं आवासन तथा राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे महत्वपूर्ण विभाग इन परियोजनाओं से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा 4 हजार 516 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। साथ ही राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में चयनित 21 हजार 863 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए, जिससे प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभाग आयुक्त श्रीमती पूनम ने कहा कि जयपुर संभाग के जिलों में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में लगभग नवचयनित 2 हजार कार्मिकों को किट का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि रोजगार मिलना किसी भी व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। यह केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान का अवसर भी है। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों से आह्वान किया कि वे राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को पारदर्शी, संवेदनशील एवं उत्तरदायी सुशासन प्रदान करने में अग्रदूत की भूमिका निभाएं। समारोह में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (उत्तर) जयपुर मुकेश कुमार मूंड, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम डॉ. रवि शेखावत सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नवनियुक्त युवा कार्मिक उपस्थित रहे।

अशोका पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के रामदास कॉलोनी स्थित अशोका पब्लिक स्कूल में विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति विज्ञान विषय से संबंधित विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपने द्वारा निर्मित कार्यशील मॉडल्स एवं प्रोजेक्ट को प्रदर्शित किया। विज्ञान दिवस पर आयोजित इस प्रदर्शनी में लगभग 46 मॉडल्स को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक आलोक जोशी ने कहा कि विद्यालय थ्योरी के साथ साथ प्रायोगिक ज्ञान दिए जाने हेतु प्रतिबद्ध है। विद्यार्थी द्वारा अपने द्वारा विद्यार्थी जीवन में किए गए प्रयोग जीवन पर्यन्त उसकी स्मृतियों में रहते है और विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक ज्ञान नितांत आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि इन 46 मॉडल्स को लगभग 103 विद्यार्थियों ने मिलकर अपने विषय अध्यापक के निर्देशन

में तैयार किया है। कार्यक्रम में मनोज कुमार जोशी, मंजु शर्मा, रेणु वैष्णव, नीलम शर्मा, संजय शर्मा, मधु गुप्ता, संजय कुमावत, हिमांशु जोशी, आयुष्मान मुद्गल, ओमप्रकाश शर्मा, लोकेश पलसानिया, सोहन कलवानिया, सिमरन हल्दुनिया, कमलेश शर्मा, रवि शर्मा, कामिनी शर्मा, ज्वाला प्रसाद चेजारा, संगीता शर्मा, ललिता शर्मा, सविता गुप्ता, रितु सक्सेना, बाबूलाल यादव, रिया कुमावत, सीमा सैनी, अभय मुद्गल, प्रीति कुमावत, बनवारी लाल शर्मा सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

जयपुर में चार अवैध कॉलोनियों को किया पूर्णतः ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते द्वारा जोन-10 में निजी खातेदारी की करीब 28 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों का पूर्णतः ध्वस्तीकरण किया गया तथा जोन-14 में निजी खातेदारी की करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी का पूर्णतः ध्वस्तीकरण किया गया। जेडीए के जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सायपुरा, जिला जयपुर में करीब 15 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "भवर नगर" के नाम से बनाई गई मिटटी-ग्रेवल सडके, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सायवाड़, जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "जगदम्बा नगर"

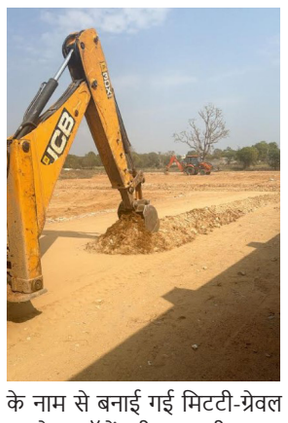

के नाम से बनाई गई मिटटी-ग्रेवल सडके, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम नाई की थड़ी, चावण्ड का मण्ड, जिला जयपुर में करीब 03 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "गोकुल धाम" के नाम से बनाई गई मिटटी-ग्रेवल सडके, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बोज्यादंड, बैरवाओं की ढ़ाणी के पास, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिटटी-ग्रेवल सडके व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-10, 14 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

रंगों का पर्व खुशी, मेल-जोल और भाईचारे का प्रतीक रहा है - सोनी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष सामाजिक सेवक जगदंबा ज्वेलर्स डी के सोनी ने कहा कि समय के साथ होली के उत्सव में कई परिवर्तन आए हैं। पहले यह त्योहार प्राकृतिक रंगों, सामूहिक उत्सव और भाईचारे का प्रतीक था। अब रासायनिक रंगों, सीमित दायरे और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण इसकी पवित्रता प्रभावित हो रही है। सोनी ने कहा कि यह रंगों का पर्व खुशी, मेल-जोल और भाईचारे का प्रतीक रहा है, लेकिन समय के साथ इसमें कई बदलाव आए हैं। पूरे मोहल्ले और गांव के लोगों के साथ मिलकर खेली जाती थी, वहीं अब यह एक सीमित दायरे में सिमट गई है। पहले के दौर में होली सिर्फ रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक उत्सव हुआ करता था। लोग एक-दूसरे के घर जाकर रंग लगाते, गुलाल

उड़ाते और बड़ों से आशीर्वाद लेते थे। हल्दी, मुल्तानी मिट्टी, टेसू के फूल और अन्य प्राकृतिक रंगों से होली खेली जाती थी, जिससे न त्वचा को नुकसान होता था और न ही आंखों में जलन। जब प्रेम और सौहार्द्र था दहन के दिन होली का जलाने के बाद सभी मिलकर होली गाते-बजाते और पारंपरिक पकवानों का आनंद लेते थे। खास बात यह थी कि इसमें अमीरी-गरीबी का कोई भेदभाव नहीं होता था। हर कोई एक साथ शामिल होता और सच्चे मन से इस त्योहार का आनंद उठाता था।

शिक्षकगण विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दे जो उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ाये- राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को नोखा तहसील के सारुंडा गाँव में वीरांदेवी रामचन्द्र झंवर आदर्श विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने वाली शिक्षा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पाठ्यपुस्तक ही नहीं जीवन को आलोकित करने वाली पुस्तकें भी शिक्षक पढ़ाएँ और विभिन्न गतिविधियाँ भी संचालित करें ताकि बच्चों का बौद्धिक विकास हो और उनकी वैचारिक शक्ति भी बढ़े। जो स्कूल ऐसा करेंगे वही सफल होंगे। अन्यथा विद्यार्थी केवल डिग्री लिए घूमते नज़र आयेंगे। बागडे ने कौशल विकास बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया। राज्यपाल बागडे ने कहा कि अंग्रेज़ जब भारत आए तो यहाँ 8 लाख गुरुकुल और स्कूल थे जिन्हें अंग्रेजों ने बंद करवा दिए। अंग्रेज़ों ने देश को गुलाम बनाने के लिए हमारी शिक्षा पद्धति को बदला और हम 1835 से 2020 तक अंग्रेज़ों की शिक्षा पद्धति को ग्रहण करते आए हैं जिसे 2020 में बदला गया है। शिक्षा पद्धति पहले

बदल जाती तो अब तक उसका बहुत प्रभाव नज़र आता। उन्होंने कहा कि विद्या भारती बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास पर जोर देता आया है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

यूजीसी के काले नियमों के विरोध में सवर्ण समाज महवा की बैठक आयोजित

-1 मार्च रविवार को यूजीसी के विरोध में महा आक्रोश रैली दौसा में

-सैकड़ो निजी वाहनों सहित बसों के माध्यम से दौसा पहुंचने सवर्ण समाज के लोग

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के बोहरा धर्मशाला में ब्राह्मण अग्रवाल खंडेलवाल जैन समाज राजपूत समाज सहित सवर्ण समाज की शनिवार को यूजीसी के काले नियमों के विरोध में रविवार को दौसा में आयोजित महा आक्रोश रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में दौसा में स्वर्ण समाज जिला दौसा के तत्वाधान में आयोजित एक मार्च को यूजीसी के काले कानून के विरोध में सवर्ण समाज महवा द्वारा अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने को लेकर चर्चा की गई । बैठक में अग्रवाल समाज खंडेलवाल समाज, जैन समाज, ब्राह्मण समाज, राजपूत समाज सहित सवर्ण समाज के अध्यक्ष सहित वरिष्ठ पदाधिकारी सहित आम लोगों ने सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि सभी समाजों के प्रत्येक घर से कम से कम एक व्यक्ति को 1 मार्च रविवार को दौसा मैं आयोजित महा आक्रोश रैली मैं सम्मिलित होने के लिए जाना तय किया गया। इस दौरान सवर्ण समाज के अनेक वक्ताओं ने यूजीसी बिल पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए बताया कि सवर्ण समाज के बच्चों के लिए यह यूजीसी कानून घातक सिद्ध होगा इसलिए अधिक से अधिक सवर्ण समाज

के लोगों से शनिवार को घर-घर जाकर जनसंपर्क कर लोगों को जागरुक कर दौसा जाने का आवाहन किया गया। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय शंकर बोहरा ने बताया कि सवर्णसमाज के गणमान्य लोगों ने एक मार्च को यूजीसी एक्ट के खिलाफ दौसा के शेषनाथ महादेव मंदिर लालसोट रोड दौसा में होने वाली महा आक्रोश रैली मैं अधिक से अधिक संख्या में जाने का आश्वासन दिया। इसके लिए तैयारी की चर्चा करते हुए बताया कि करीब 50 निजी वाहन और 4 बड़ी बसें दोसा जाएगी। दौसा में आयोजित यूजीसी महा आक्रोश रैली में सभी वाहन महवा कस्बे के हिंडोन रोड़ स्थित जलदाय विभाग कार्यालय के पास इकठ्ठा होकर एक साथ दौसा के लिए रवाना होंगे। मीटिंग में सवर्ण समाज में यूजीसी एक्ट को लेकर लोगों में भारी आक्रोश नजर आया। मीटिंग में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय शंकर बोहरा, अग्रवाल समाज अध्यक्ष सतीश अग्रवाल टुडियाणा वाले, ताराचंद शर्मा अध्यक्ष ब्राह्मण समाज महवा नगर, विष्णु सिंह राजपूत, कपिल सिंह राजपूत, अशोक जैन, हितेश जैन, मनमोहन तांबी अध्यक्ष खंडेलवाल समाज, मनोज खंडेलवाल, देशराज गहनौली, विनोद जादौन, नीतेश पालोदा, गोपाल हांडली, अशोक पाली, ताराचंद अग्रवाल, महेंद्र तेगरवाल, राकेश बंसल, अखिलेश बंसल, मोहनलाल तिवारी, डॉ. विशंभर अवस्थी, हरिओम शर्मा हांडली, जगदीश भारद्वाज, विष्णु पाराशर, प्रवीण कुमार शर्मा रौतहडिया, हरिओम दिक्षित, गोपुत्र अवधेश अवस्थी, पार्षद नरेंद्र शर्मा, अरविंद पावटा, जीपी शर्मा, अशोक गिरदावर, पिंटू चिका, भंवर सिंह राठौर, हरिमोहन अग्रवाल, राधाकृष्ण भारद्वाज, कमलेश दुसाद, राजेंद्र शर्मा सहित सवर्ण समाज के सैकड़ो पदाधिकारीगण सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

डॉ. सुमीत गर्ग को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस ग्लासगो की प्रतिष्ठित एफआरसीपी उपाधि

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के वरिष्ठ फिजीशियन एवं गर्ग हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. सुमीत गर्ग को मेडिसिन के क्षेत्र में विश्व की सबसे प्रतिष्ठित और बड़ी फैलोशिप मानी जाने वाली ब्रिटेन स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस ग्लासगो द्वारा एफआरसीपी (FRCP) की उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें मेडिसिन के क्षेत्र में वर्षों से किए जा रहे उनके उत्कृष्ट, समर्पित एवं निरंतर योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया है। डॉ. गर्ग सवाई माधोपुर जिले के पहले चिकित्सक हैं जिन्हें यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त हुई है, जिससे जिले सहित पूरे राजस्थान के चिकित्सा क्षेत्र में गर्व का वातावरण है। डॉ. सुमीत गर्ग लंबे समय से जनरल मेडिसिन, डायबिटीज, हाइपरटेंशन एवं अन्य क्रॉनिक बीमारियों के उपचार में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने न केवल आधुनिक एवं प्रमाण-

आधारित चिकित्सा पद्धतियों को अपनाया है, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी सराहनीय कार्य किया है। उनके द्वारा किए गए शोध कार्य, क्लिनिकल अनुभव और रोगी-केन्द्रित उपचार पद्धति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। इससे पूर्व भी डॉ. गर्ग को अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्था अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजिशियंस द्वारा एफएसीपी (FACP) तथा देश की अग्रणी संस्था इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियंस द्वारा फैलोशिप प्रदान की जा चुकी है। ये सभी उपाधियां उनके चिकित्सा क्षेत्र में विशेष योगदान, निरंतर अध्ययन, शोध गतिविधियों तथा मरीजों की बेहतरी के लिए किए गए नवाचारों का प्रमाण हैं। डॉ. गर्ग का विशेष योगदान डायबिटीज एवं हाइपरटेंशन जैसी गंभीर और व्यापक बीमारियों के प्रबंधन में रहा है, जहां उन्होंने न केवल उपचार बल्कि रोगों की रोकथाम, जनजागरूकता, जीवनशैली सुधार और अनुसंधान पर भी निरंतर कार्य किया है। समय-समय पर उनके द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविरों और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों से समाज के हर वर्ग को लाभ मिला है। उनकी इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर चिकित्सा जगत, सामाजिक संगठनों, गणमान्य नागरिकों एवं जिलेवासियों में अत्यंत हर्ष का माहौल है। सभी ने डॉ. सुमीत गर्ग को इस गौरवपूर्ण सम्मान के लिए शुभकामनाएं देते हुए इसे सवाई माधोपुर जिले के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है।

चार दिवसीय खेल सप्ताह का समापन: विजेता एवं उपविजेता टीमों और प्रतिभागियों को मैडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा आयोजित चार दिवसीय खेल सप्ताह का शनिवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। 25 से 28 फरवरी तक चले इस खेल सप्ताह में छात्र-छात्राओं ने खेल भावना के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजराम मीना ने विजेता एवं उपविजेता टीमों और प्रतिभागियों को मैडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सैयद बलीग अहमद ने बताया कि खेल सप्ताह के अंतर्गत क्रिकेट, वॉलीबाल, कबड्डी, चैस, बैडमिंटन, कैरम, 100 एवं 200 मीटर दौड़ तथा रस्साकशी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में पांचवां सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहा तथा नवीन सैनी मैन ऑफ द मैच घोषित हुए, जबकि महिला वर्ग में तृतीय सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहा और काजल नागर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। कबड्डी पुरुष वर्ग में प्रथम सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहे, वहीं महिला वर्ग में पांचवां सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहा। वॉलीबाल पुरुष वर्ग में प्रथम सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहा। कैरम पुरुष वर्ग में रवीन्द्र रॉय विजेता एवं सूरज उपविजेता रहे, जबकि महिला वर्ग में निकिता वर्मा विजेता एवं गरिमा अग्रवाल उपविजेता रहीं। चैस पुरुष वर्ग में मोहित मनिक विजेता एवं रीतेश उपविजेता

रहे। 100 एवं 200 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में सोनेन्द्र विजेता एवं अभिषेक उपविजेता रहे, जबकि महिला वर्ग में रिंका विजेता एवं एकता सैनी उपविजेता रहीं। बैडमिंटन सिंगल्स महिला वर्ग में निशा चौधरी विजेता एवं दिव्य शर्मा उपविजेता रहीं तथा पुरुष वर्ग में मोहित मनिक विजेता एवं रवीन्द्र रॉय उपविजेता रहे। बैडमिंटन डबल्स पुरुष वर्ग में रवीन्द्र रॉय व सागर शर्मा विजेता तथा मोहित मनिक व अनुराम उपविजेता रहे। रस्साकशी पुरुष वर्ग में पांचवां सेमेस्टर विजेता एवं प्रथम सेमेस्टर उपविजेता रहा, जबकि महिला वर्ग में प्रथम सेमेस्टर विजेता एवं तृतीय सेमेस्टर उपविजेता रहा। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. तेजराम मीना ने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं तथा ये टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल सप्ताह के सफल आयोजन में आशीष महावर, मुकेश कुमार मित्तल, हेमलता मीना, मोहम्मद साजिद, दिनेश कुमार मीना सहित समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

जिला कालीका महिला पुलिस टीम ने स्कूल में बच्चों को सिखाये आत्मरक्षा के गुण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित ग्लोबल इंग्लिश अकैडमी वन विहार कॉलोनी चूरू में एक (सेमिनार) संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें टीम कालिका जिला पुलिस चूरू की देख-रेख में बच्चों को आत्मरक्षा, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा, अत्यधिक मोबाइल के नुकसान, राज- कोप एप और बढ़ती हुई (चाइल्ड किडनैपिंग) बच्चों के अपहरण आदि विषयों के बारे में खुलकर चर्चा की गई। जिला कालिका टीम (महिला पुलिस) चूरू कौशल्या की देखरेख में पूनम, सुमन, सुनीता,

मंजू, चंदा, प्रमिला और हैमलेश ने बच्चों को प्रशिक्षण दिया और बच्चों में उपरोक्त सभी विषयों के बारे में जानकारी दी और बच्चों को जागरूक किया। संस्था प्रधान अब्दुल सत्तार ने पूरी टीम का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया । और बताया कि यह सेमिनार बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत ही मददगार साबित होगी।

दिव्यांग बच्चों ने जमकर खेली होली

-रंग और गुलाल का तिलक लगाकर एक दूसरे को दी होली की शुभकामनाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के आईएचएस कॉलोनी में दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित मुस्कान आवासीय विशेष विद्यालय में आज होली का पर्व बड़े ही धूमधाम एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान संस्था परिसर में मुस्कान विशेष विद्यालय के बच्चे एवं स्टाफ ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। संस्था के विशेष शिक्षक सर्वेश सिंह, सचिन सिंह, श्याम सुंदर रेगर, सुरेंद्र सिंह, हनुमान गुर्जर, सुरेंद्र कुमार रेगर एवं अमिता मीणा ने बच्चों को

होली के पर्व मनाने की जानकारी दी एवं होलिका दहन की कहानी सुनाई। वार्डन भानु प्रताप सिंह ने सभी बच्चों को मुंह मीठा करवाया। संस्था सचिव द्वारा सभी बच्चों को रंग गुलाल लगाने के बाद मिठाई खिलाकर होली की शुभकामनाएं दी गई इस दौरान होली के गीतों पर दिव्यांग बच्चों एवं स्टाफ ने भी मनमोहक नृत्य किया।

माहे रमजान में शब-ए-कद्र की बहुत ख़ास अहमियत है - अनीस रज्जा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर ईदगाह मोहल्ला स्थित मस्जिद मीरू शाह तकिया के इमाम मौलाना अनीस रज्जा ने माहे रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा कि इस महीने में एक ऐसी रात आती है जिसे शब-ए-कद्र रमजान की पाक रात कहते है। मान्यता है कि इस रात कुरान की आयतों का जिब्रील अलैहिस्सलाम नाम के फरिशते के जरिए पैगम्बर मुहम्मद साहब पर अवतरण (नाजिल) होना शुरू हुआ था। माना जाता है कि इस रात खुदा ताअला नेक व जायज तमन्नाओं को पूरी फरमाता है। तरावीह पढ़ाने वाले इसी शब में कुरआन मुकम्मल करते हैं, जो तरावीह की नमाज अदा करने वालों को सुनाया जाता ह। इसके साथ घरों में कुरआन की तिलावत करने वाली मुस्लिम महिलाएं भी कुरआन मुकम्मल करती हैं। शबे-ए-कद्र की रात इबादत के बाद लोग कब्रिस्तान जाते हैं। और अपने मरहूमां की कब्रों पर फातिहा पढ़कर उनकी मगफिरत के लिए दुआएं करते हैं। ऐसी भी

मान्यता है कि शब-ए-कद्र की रात इबादत करने पर गुनाह बक्श दिए जाते हैं। शबे क़द्र रमज़ान की पांच रातें में से कोई एक हो सकती है 21 वीं, 23वीं, 25वीं, 27वीं और 29वीं यानि 20 वें रोज़े को जो रात होती है वही 21 वीं रात है और 22 वें रोज़े की जो रात होती है वो 23 वीं रात है इसी तरह आप आगे भी समझ सकते हैं। कुरान के अनुसार, इस एक रात की इबादत 1000 महीनों (लगभग 83 वर्ष) की इबादत से भी अधिक मूल्यवान है। फरिश्तों का आगमनः इस रात हजरत जिब्रील और अनगिनत फरिश्ते जमीन पर उतरते हैं और अल्लाह की रहमत व सलामती बरसाते हैं। तकदीर का फैसलाः इसे 'फैसले की रात' भी कहा जाता है, क्योंकि इस रात अगले एक वर्ष के लिए इंसानों की तकदीर और रिज्क (रोजी) का निर्धारण होता है। इसी रात को गुनाहों की माफीः जो व्यक्ति इस रात पूरी आस्था के साथ इबादत करता है, उसके पिछले तमाम गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। हज़ार महीनों से बेहतर है। गुनाहों की माफ़ीः मान्यता है कि जो व्यक्ति इस रात सच्चे दिल से तौबा और इबादत करता है, उसके पिछले तमाम गुनाह माफ़ कर दिए जाते हैं। तक़दीर का फ़ैसलाः इस रात को 'फ़ैसले की रात' भी कहा जाता है, क्योंकि अल्लाह आने वाले साल के लिए बंदों की रोजी, मौत और सेहत के फैसले लिखता है। इस रात मुसलमान पूरी रात जागकर नफ़्ल नमाज़, कुरआन की तिलावत और विशेष दुआएं करते हैं।

भारतीय जैन मिलन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

-8 देशों में संगठन का विस्तार, सामाजिक एकजुटता पर जोर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जैन मिलन सवाई माधोपुर की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन साउथ सिटी में निजी फ़ार्म हाउस पर किया गया। मीडिया प्रभारी कन्हैया जैन ने बताया की बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय पोखरना बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विनोद जैन ने की सर्वप्रथम प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश महामंत्री जिला अध्यक्ष का उपस्थित सदस्यों ने माला और साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाटनी ने भारतीय जैन मिलन के बारे में विस्तार से जानकारी दी इन्होंने बताया कि भारतीय जैन मिलन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करता है । 8 देशों में भारतीय जैन मिलन की शाखाएं कार्य कर रही है विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री ने कहा कि संस्था सामाजिक सरोकार के कार्य करती है। सम्पूर्ण देश के लोगो को एक मंच पर संगठित

करने का कार्य जैन मिलन द्वारा किया जा रहा है सम्पूर्ण देश में लगभग 1500 शाखाए कार्य कर रही है। जिलाध्यक्ष विनोद जैन ने कहा कि जिले में सम्पूर्ण समाज एकजुट संगठित होकर कार्य कर रहा है समाज में एक दूसरे की मदद में अग्रणी रहता है। सामाजिक कार्यो में आगे रहकर अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर रतन लाल जैन, सुबाहु जैन, कुशल जैन, बाबूलाल जैन, जिला मंत्री महावीर प्रसाद, अभिनंदन जैन, प्रेम चंद जैन, दीपक जैन, रमेश जैन, मनोज जैन, सुनील कुमार जैन, बुद्धि प्रकाश जैन, घनश्याम जैन, अशोक जैन, कपिल जैन, पारस जैन, राधेश्याम जैन, मुकेश जैन, जितेंद्र जैन, जम्बू कुमार जैन, अनिल जैन, महावीर प्रसाद जैन, अशोक जैन, कपिल जैन, पारस जैन, राकेश जैन, रविकांत जैन, सुनील जैन, मोहन जैन, मुकेश, सुशील जैन, राजेंद्र जैन, रजत जैन, कमल जैन, नरेंद्र जैन, जयकुमार जैन, मनीष जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान से स्वास्थ्य और स्वरोजगार की नई उड़ान

-माननीय प्रधानमंत्री ने अजमेर से किया एचपीवी वैक्सीन का शुभारंभ

-जिला मुख्यालय पर आयोजित हुआ रोजगार उत्सव

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर के कायड़ से देश की बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया। माननीय प्रधानमंत्री ने देशव्यापी हमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान विशेष रूप से 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए शुरू किया गया है। इसी के तहत जिला मुख्यालय पर रोजगार उत्सव आयोजित किया गया, जिसमें वीसी के माध्यम से जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, रोजगार पाने वाले युवा एवं आम नागरिक शामिल हुए। अजमेर के कायड़ में आयोजित मुख्य समारोह में माननीय प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल की शुरुआत करते हुए कहा कि सरकार देश की बेटियों के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उल्लेखनीय है कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों (आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सीएचसी और जिला अस्पतालों) पर यह वैक्सीन पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के तहत हर साल देश की लगभग

1.15 करोड़ किशोरियों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत 14 वर्ष आयु की बालिकाओं के निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। इस दौरान जिला स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने नवनियुक्त युवाओं को चयनित पत्र सौंपे। कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में चयनित 21,863 युवाओं को उनके सपनों की नौकरी के आधिकारिक पत्र प्रदान किए गए। जिला मुख्यालय पर 313 युवाओं को चयनित पत्र दिए गए। इसको लेकर युवाओं और उनके परिजनों में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. मंजू, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एडीएम सतर्कता श्रीमती रीना, शरणपाल सिंह मान, जिला परिषद सीईओ गिरधर बेनीवाल, एसीएम श्रीमती स्वाति गुप्ता, सीडीईओ अरविंद्र सिंह, सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. पीके बेरवाल, पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़, आशुतोष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लॉ कॉलेज की छात्रा से दो शिक्षकों ने की जातिगत टिप्पणी, एवं फेल करने का आरोप

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय विधि महाविद्यालय में अध्ययनरत एक एल एल बी छात्रा ने दो शिक्षकों पर जातिगत टिप्पणी कर अपमानित करने और फेल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की लिखित रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में एससी/एसटी एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच वृत्ताधिकारी सुनील झाझड़िया कर रहे हैं। यूजीसी कानून को लेकर चल रही बहस के बीच चूरू का यह मामला अब चर्चा में है। राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू से रिपोर्ट में छात्रा ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2025 में एक कार्यक्रम के दौरान

प्रश्न पूछने पर एक पुरूष लेक्चरार व महिला लेक्चरर नाराज हो गई और कथित रूप से उसे जाति सूचक शब्द कहकर पूरी कक्षा के सामने अपमानित किया। आरोप है कि अध्यापिका ने उसकी कक्षा में जाति को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि एलएलबी करना आपका काम नहीं है। आप लॉ नहीं कर सकते हो। उस समय वहां पर अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद थे रिपोर्ट में बताया गया कि इसके बाद से अध्यापिका लगातार जलील करती आ रही है और प्रेक्टिकल में कम नंबर देकर उसको फेल भी कर दिया गया। वह उसके साथ जातिगत दुश्मनी रखने लगी तथा इसी साल 21 फरवरी को महिला लेक्चरर से फेल करने कारण पूछा तो कहा मेरी मर्जी है, मैंने कर दिया। छात्रा ने कॉलेज प्रशासन को भी शिकायत दी, लेकिन सुनवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। पुलिस नेय् रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच की जाएगी।

सरस्वती शिक्षण समूह बींझबायला में विज्ञान दिवस पर शानदार विज्ञान मेला

विनोद सोखल

बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। सरस्वती शिक्षण समूह ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर एक उत्साहपूर्ण विज्ञान मेला आयोजित किया, जिसमें छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। विज्ञान मेले के प्रभारी सतपाल खुडिया ने बताया कि 140 विद्यार्थियों ने मिलकर कुल 54 स्वचालित एवं आकर्षक मॉडल तैयार किए। इनमें प्रमुख मॉडल थे—चंद्रयान-3 का कार्य मॉडल, मानव शरीर के विभिन्न तंत्र, 3-डी प्रोजेक्टर, अंधे की लाठी (साउंड आधारित गाइडेंस), राज्य की प्रमुख फसलों का वर्गीकरण, तांबे की प्लेटों से बने प्रयोग, 3-डी ज्यामितीय आकृतियां, पाइथागोरस प्रमेय का व्यावहारिक प्रदर्शन आदि। पलक खालिया ने महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन के जीवन, रमन प्रभाव की खोज और भारतीय विज्ञान में उनके योगदान पर रोचक जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भगवान घोड़ेला, राकेश अरोड़ा, पवन जी स्वामी प्रधानाचार्य, महावीर बिश्नोई, स्वामी विवेकानंद कोचिंग सेंटर के छात्र-अभिभावक आदि ने मॉडलों का अवलोकन किया और छात्रों की रचनात्मकता की खूब सराहना की। संस्था प्रबंधक अनिल खालिया ने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में वैज्ञानिक सोच और

नवाचार की भावना जागृत करते हैं। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित किया कि वे भविष्य में और बड़े-बड़े प्रयोग करें तथा विज्ञान को जीवन का हिस्सा बनाएं। डायरेक्टर सी.एल. रांका ने अपने संबोधन में कहा कि सच्ची विज्ञान शिक्षा किताबों से नहीं, बल्कि हाथों से किए गए प्रयोगों और व्यावहारिक अनुभव से आती है। उन्होंने समूह की इस पहल की प्रशंसा करते हुए सभी छात्रों को निरंतर प्रयोगशील और जिज्ञासु बने रहने की सलाह दी। प्रधानाचार्य ओमप्रकाश खुडिया एवं राजदीप सिंह बराड़ ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह विज्ञान मेला सरस्वती शिक्षण समूह की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आगामी त्योहारों को लेकर मकराना थाने में सीएलजी बैठक संपन्न, शांति और भाईचारे की अपील

मकराना (रॉयल पत्रिका)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर मकराना पुलिस थाने में सीएलजी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। वृत्ताधिकारी विक्की नागपाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शांति समिति के सदस्यों, स्थानीय व्यापारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने शिरकत की। बैठक को संबोधित करते हुए वृत्ताधिकारी विक्की नागपाल ने कहा कि वर्तमान में रमजान का पवित्र माह चल रहा है और जल्द ही होली का पर्व आने वाला है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे सभी त्योहारों को आपसी प्रेम और मिलजुलकर मनाएं तथा एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें। थानाधिकारी गरिमा चौधरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में न ले। यदि कहीं भी कोई संदिग्ध व्यक्ति या स्थिति नजर आए, तो

उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने शहर की व्यवस्थाओं को लेकर कई सुझाव दिए और समस्याओं से अवगत कराया। ईस दौरान सदर बाजार और मुख्य मार्गों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए होमगार्ड तैनात करने की मांग की गई। बाईपास रोड पर खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों को जल्द ठीक करवाने और पुलिस गश्त बढ़ाने पर चर्चा हुई। युवाओं द्वारा बाइक में करवाए गए मॉडिफिकेशन (तेज आवाज वाले साइलेंसर) के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठी। बैठक में श्याम सुंदर स्वामी, अब्दुल अजीज गहलोत, हाजी जुबेर गैसावत, दिलीप सिंह चौहान, भंवराराम डूडी, कामरान गौड़, रुघाराम कड़वा, भरत दाधीच, अमजद, घनश्याम सोनी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सरकार बेच रही रेलवे कंपनी आईआरएफसी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) के शेयर में गुरुवार, 26 फरवरी को करीब एक प्रतिशत की तेजी देखी गई। इसकी वजह यह है कि कंपनी के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का रिटेल हिस्सा आज खुल रहा है, यानी आम निवेशक आज इस स्टॉक पर अपनी बोली लगा सकेंगे। कारोबार के दौरान यह स्टॉक 105.30 रुपये के डे हाई पर पहुंच गया। भारत सरकार की ओर से लाए गए इस ओएफएस को बुधवार को संस्थागत निवेशकों से पूरी भागीदारी नहीं मिल पाई। संस्थागत निवेशकों ने लगभग 22.34 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां लगाईं, जो ओएफएस के तहत उनके लिए आरक्षित 23.52 करोड़ से अधिक शेयरों का लगभग 94.98 प्रतिशत है। 104.12 रुपये प्रति शेयर की कीमत के आधार पर, इन बोलियों का मूल्य लगभग 2,326 करोड़ रुपये आंका गया। इस बोली प्रक्रिया के लिए न्यूनतम मूल्य 104 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस बीच, इक्विटी मोर्चे पर सरकार ने मौजूदा ओएफएस में ओवरसब्सक्रिप्शन विकल्प का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया। बुधवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि प्रमोटर ने शुरू में 2 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 26,13,70,120 इक्विटी शेयरों तक की पेशकश करने की योजना बनाई थी, साथ ही अतिरिक्त 2 प्रतिशत बेचने का ग्रीनशू विकल्प भी रखा था, लेकिन अब इस ओवरसब्सक्रिप्शन विकल्प का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित विनिवेश के बाद भी रेलवे सेक्टर की इस फाइनेंस कंपनी में सरकार की 86.36 प्रतिशत की काफी बड़ी हिस्सेदारी बनी रहेगी।

2026 में मिथुन और पलक मुच्छल देंगे धर्मेंद्र को खास श्रद्धांजलि

मुंबई, एजेंसी। मारुति सुजुकी प्रस्तुत 24वें ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय सिनेमा का जश्न एक बार फिर भव्य अंदाज में मनाया जाएगा। यह खास शाम टैलेंट, जज़्बात और सितारों और उनके फैंस के बीच के मजबूत रिश्ते को समर्पित होगी। इस मौके पर संगीत की गूंज के बीच, महान एक्टर धर्मेंद्र जी को एक खास श्रद्धांजलि दी जाएगी। मशहूर म्यूजिक कंपोजर मिथुन और सिंगर पलक मुच्छल अपने सुरों से उनके शानदार सफर और सिनेमा पर उनके गहरे असर को मंच पर जिंदा करेंगे। दर्शक भी इस भव्य शाम को लाइव देखने के लिए टिकट बुक कर सकते हैं और इस खास जश्न का हिस्सा बन सकते हैं। यह प्रस्तुति भारतीय सिनेमा के उन छह दशकों को सलाम करेगी, जिन्होंने दर्शकों के दिलों को छुआ, एक दौर को पहचान दी और कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। धर्मेंद्र जी सिर्फ एक स्टार नहीं थे, वो सिनेमा की पहचान थे, जिनमें गर्मजोशी, हिम्मत, अपनापन और सच्चाई साफ नजर आती थी। उनकी पहचान एक ऐसे इंसान की रही, जो दिल से बेहद नेक और उदार थे। साल 2005 में ज़ी सिने अवॉर्ड्स में धर्मेंद्र जी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उस वक्त उन्होंने कहा था, मुझे अवॉर्ड्स बहुत कम मिलते हैं, लेकिन जब भी मिलते हैं, मुझे लगता है कि मेरे फैंस खुद को मुझमें देखते हैं।

वीआईटी भोपाल में हुआ अद्वित्या'26 खेल समारोह का शानदार आयोजन

सीहोर। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय में 21 से 24 फरवरी 2026 तक आयोजित चार दिन के अद्वित्या'26 खेल समारोह का समापन हुआ। इस शानदार खेल समारोह में 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें इस विश्वविद्यालय के 700 से अधिक और बाहरी संस्थानों के लगभग 300 छात्र शामिल रहे। इस खेल समारोह के भव्य उद्घाटन में भोपाल के अतिरिक्त आयुक्त, श्री शिवराज सिंह वर्मा, आईएएस, विश्वविद्यालय के संस्थापक और कुलाधिपति (चांसलर) डॉ. जी. विश्वनाथन, उपाध्यक्ष डॉ. शंकर विश्वनाथन, सहायक उपाध्यक्ष सुश्री कादंबरी विश्वनाथन, प्रति कुलपति (प्रो वाइस चांसलर) डॉ. टी. बी. श्रीधरन, रजिस्ट्रार श्री के. के. नायर, संयोजक (कन्वीनर) डॉ. पुष्पदंत जैन, सह-संयोजक (को-कन्वीनर) डॉ. सौरव प्रसाद और डॉ. गुंजन अंसारी, और खेल अधिकारी डॉ. प्रशांत तिवारी और विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। पारंपरिक मशाल प्रज्वलन और टीम की परेड ने अनुशासन, एकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की भावना से भरे हफ्ते के लिए माहौल तैयार किया।

चांदी में 8000 की उछाल, सोना 1.60 लाख के पार

अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति के आसार, फिर भी बरकरार है तनाव

नईदिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर अप्रैल गोल्ड वायदा करीब 500 रुपये यानी 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,60,177 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं, मार्च सिल्वर वायदा 8,340 रुपये या 3.2 प्रतिशत बढ़कर 2,68,009 रुपये प्रति किलो हो गया।

एमसीएक्स पर अप्रैल गोल्ड वायदा करीब 500 रुपये यानी 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,60,177 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं, मार्च सिल्वर वायदा 8,340 रुपये या 3.2 प्रतिशत बढ़कर 2,68,009 रुपये प्रति किलो हो गया। इससे पिछले सत्र में एमसीएक्स पर अप्रैल गोल्ड वायदा करीब 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,59,709 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, मार्च सिल्वर वायदा 3 प्रतिशत से अधिक लुढ़ककर 2,59,669 रुपये प्रति किलोग्राम पर रहा था।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बढ़ी चमक

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्पॉट सिल्वर में 0.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 88.81 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो बुधवार को तीन सप्ताह के उच्च स्तर को छूने के बाद आया है। वहीं, स्पॉट गोल्ड स्थिर बना रहा और यह 5,187.39 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

अन्य कीमती धातुओं की बात करें तो स्पॉट प्लैटिनम 0.6 प्रतिशत बढ़कर 2,286.53 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि पैलेडियम में 0.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई और यह 1,794.13 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

जिनेवा में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच हुई अप्रत्यक्ष वार्ता में कुछ प्रगति हुई है, ऐसा मध्यस्थता कर रहे ओमान ने बताया। हालांकि, कई घंटों की चर्चा के बाद भी ऐसा कोई ठोस समाधान निकलता नहीं दिख रहा है जो अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई को निश्चित रूप से टाल सके, खासकर तब जब मध्य पूर्व में सैन्य तैनाती में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है। ईरान की परमाणु गतिविधियों को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने के आदेश के बाद दोनों पक्षों ने चेतावनियों का आदान-प्रदान किया है। यह जारी अनिश्चितता सोने की मौजूदा मजबूती का आधार बनी हुई है। इस बीच, अमेरिका में तत्काल ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें फीकी पड़ती दिख रही हैं। फेडरल रिजर्व के नामित अध्यक्ष केविन वॉश के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की पसंद के अनुरूप तत्काल दरों में कटौती का रास्ता संकुचित हो सकता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत, सीईओ के विश्वास में सुधार और केंद्रीय बैंक के नीति निर्माताओं के बाज पर रुख (हॉकिश टोन) ने आक्रामक दर कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया है। पृथ्वीफिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन का मानना है कि आज सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बनी रहेगी। उन्होंने निवेशकों के लिए रणनीति सुझाते हुए कहा कि सोने में गिरावट के दौरान 1,59,100 रुपये और 1,58,000 रुपये के आसपास खरीदारी कर सकते हैं, जिसके लिए स्टॉप लॉस 1,56,500 रुपये से नीचे रखें।

विकसित भारत निर्माण में एनजीओ की है महत्ती भूमिका – डॉ. सुशील त्यागी

-सामाजिक संस्थाओं को कीया सम्मानित

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर युक्ति सामाजिक शोध संस्थान चूरू के द्वारा देर शाम तक विश्व एनजीओ दिवस पर परिचर्चा और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया परिचर्चा का विषय विकसित भारत निर्माण में एनजीओ की भूमिका था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर सुशील त्यागी, प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान समाजशास्त्र परिषद जयपुर, ने कहा कि एनजीओ के सहयोग के बिना विकसित भारत का निर्माण हम नहीं कर सकते क्योंकि राज्य तथा देश के पास इतने संसाधन, मैनपॉवर और बौद्धिक संपदा नहीं है, अगर कोई व्यक्ति समाज सेवा के क्षेत्र में कोई काम करता है तो हमें चाहिए कि उसे प्रोत्साहित करें। डॉ. त्यागी ने अपने उद्बोधन के साथ-साथ एनजीओ के प्रतिनिधियों से भी आह्वान किया कि वर्तमान माहौल में आज हमें समाज सेवा के क्षेत्र में एक ऐसे तबके, ऐसे वर्ग पर ध्यान देने की जरूरत है, जो कि बहुत जल्दी हमसे दूर होने वाला है, एजिड प्रसंस अर्थात बुजुर्गों पर भी काम करने की आवश्यकता है, यह एक ऐसा वर्ग है जो वर्तमान दौर में काफी उपेक्षित है अर्थात उनकी सेवा करना अपेक्षित है। बाकी विषयों पर हमें बाद में भी सेवा के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सरोज हारित ने की और कहा कि अगर कोई भी एनजीओ वित्तीय पारदर्शिता रखता है तो उसके सामने डोनेशन की समस्या नहीं आएगी प्राकृतिक और मानविकृत आपदाओं के समय एनजीओ के प्रयास बहुत ही प्रशंसनीय होते हैं। हमें पिछड़े अविकसित वर्गों के कल्याण तथा विकास के लिए कार्यक्रमों का निर्माण कर आमजन की पूर्ण सहभागिता प्राप्त कर कार्यक्रमों का क्रियान्वन करना चाहिए कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन से की संस्था के सचिव राजकौर राहड़ ने स्वागत भाषण दिया चर्चा सत्र में बनवारी लाल शर्मा खामोश प्रोफेसर सुरेंद्र डी सोनी इदरीश खत्री राज ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये कार्यक्रम में युक्ति संस्थान के प्रतीक चिन्ह का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं का सम्मान किया गया। जिसमें हिंदी साहित्य संसद के बनवारी लाल शर्मा खामोश लोक संस्कृति शोध संस्थान के श्यामसुंदर शर्मा भारत विकास परिषद के पंकज मिश्रा मूमल लोक कला शोध संस्थान के सुजान सिंह खींची ब्रह्माकुमारी संस्थान की सुमन बहन लायंस क्लब के राजीव शर्मा पुरस्कृत शिक्षक फॉर्म के ओमप्रकाश तंवर ओपी शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट के राजेंद्र शर्मा मुसाफिर राजस्थान लोक कला व विरासत संरक्षण अभियान के नितिन बजाज अणुव्रत समिति की लक्ष्मी कोठारी रॉयल विकलांग विकास संस्थान के अख्तर खान रूकनखानी, मंसूर अकादमी के अब्दुल मन्नान मजहर, विप्र नारी संघ की निहारिका शर्मा, निलयम वेलफेयर फाउंडेशन की सरला राव, चूरू एकता मंच के कपिल चंदेल, टैलेंट विला प्रदीप कत्थक इंसानियत एकता सेवा समिति के महबूब खान नसवान, उज्जवल उत्थान फाउंडेशन के अजय गोयल, शिव कला मंच के किशन लाल किरोड़ीवाल, समस्या समाधान समिति के सत्यनारायण व्यास ने सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर सुचित्रा कस्वा, पूजा सोनी, मुन्नी डागा, विजयकांत शर्मा, पुनीत लाटा, शैलेंद्र माथुर, मैनपाल सिंह, विनोद प्रजापत, संदीप जांगिड़, सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के क्षेत्र में सभी संस्थाओं को मिलकर सहयोग की भावना को विकसित करना था। युक्ति सामाजिक शोध संस्थान के अध्यक्ष एडवोकेट रमेश सोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भारत के पथ निर्माण हेतु बैंगलुरु में आरंभ हुआ आईईएसए विज़न समिट 2026

बैंगलुरु, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) सेक्टर हेतु देश के प्रधान उद्योग निकाय, इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) ने 25 फरवरी 2026 को बैंगलुरु के लीला भारतीय सिटी कन्वेंशन सेंटर में आईईएसए विज़न समिट 2026 का उद्घाटन किया। इंडस्ट्री, सरकार और एकेडेमिया के सबसे तेज़ दिमागों को एकजुट करने वाले दो दिवसीय समिट - ''डिज़ाइन टू मैन्युफैक्चरिंगः सिनर्जी ऑफ प्रोडक्ट, प्रोडक्शन एंड स्किल'' - ने भारत के प्रोडक्ट नेशन बनने के सपने में एक बड़े बदलाव का इशारा दिया।

उद्घाटन समारोह को सरकार के नेताओं, उद्योग जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और दिग्गजों के एक प्रतिष्ठित समूह ने संबोधित किया, जिनमें शामिल थेः श्री अमितेश कुमार सिन्हा, (सीईओ, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और अतिरिक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय); श्री मनीष चड्ढा (जेएस, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार); डॉ एम एम त्रिपाठी (डीजी-एनआईईएलआईटी); श्री राहुल शरणप्पा, (आईएएस, निदेशक, आईटीबीटी विभाग, कर्नाटक सरकार); महामहिम, इवाउट डी विट, महावाणिज्यदूत, नीदरलैंड दूतावास; अजीत मनोचा, अध्यक्ष, सेमी; गिलरॉय मैथ्यू (सीईओ, यूएसटी); श्री अशोक चांडक, प्रेसिडेंट, आईईएसए; रुचिर दीक्षित, आईईएसए चेयरपर्सन, वीपी और कंट्री मैनेजर सीमेंस ईडीए; प्रोफेसर तुम्माला राव,

उत्पाद, उत्पादन और कौशल का तालमेल

आईडीएसपीएस और एमिरेटस प्रोफेसर जॉर्जिया टैक, सलाहकार आईएसएम।

2026 संस्करण की थीम - ''डिज़ाइन टू मैन्युफैक्चरिंगः सिनर्जी ऑफ प्रोडक्ट, प्रोडक्शन एंड स्किल'' - इंडस्ट्री लीडरों के मुताबिक, आज भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के सामने सबसे बड़ी चुनौती और अवसर हैः विश्व स्तरीय चिप और प्रोडक्ट डिज़ाइन क्षमता और स्केलेबल, उच्च-क्वालिटी घरेलू मैन्युफैक्चरिंग के बीच के अंतरा को भरना। सेमीकंडक्टर डिज़ाइन में वैश्विक लीडरशिप दिखा चुका है। अगला कदम स्पष्ट है - हमें वैल्यू चेन पूरी करनी होगी। हमें उस वृद्धि को बनाए रखने के लिए बिना किसी समझौते के क्वालिटी और बहुत कुशल कार्यबल के साथ बड़े पैमाने पर विश्व स्तरीय उत्पाद रचने, निर्माण और मैन्युफैक्चर करने होंगे। भारत के पास दुनिया को सशक्त करने के लिए इंजीनियरिंग प्रतिभा है। अब हमें साहस से इनोवेट करने का पक्का इरादा, प्रतिस्पर्धी तरीके से मैन्युफैक्चर करने का अनुशासन और अपने लोगों को लगातार कुशल बनाने के दूरगामी नजरिये की ज़रूरत है - सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक टेक्नोलॉजी ईकोसिस्टम के लिए भी।'' आईईएसए के चेयरपर्सन श्री रुचिर दीक्षित ने कहा, ''आईईएसए विज़न समिट, पिछले कुछ सालों में, एक कॉन्फ्रेंस से कहीं ज्यादा बन गया है - यह एक 'नेशनल कन्वर्जेंस प्लैटफॉर्म' बन गया है जहां विचार, सहभागिता, नीति, नवाचार और निष्पादन एक साथ मिलकर असली असर डालते हैं। यह समिट 'उद्योग के अग्रणियों, सरकार के नीति निर्माताओं, वैश्विक निवेशकों, स्टार्ट-अप इनोवेटर्स, शिक्षा जगत और ईकोसिस्टम पार्टनर्स' को एक साथ लाता है।

निप्पॉन पेंट इंडिया ने एवाईडीए अवार्ड्स 2025-26 नेशनल फिनाले में विजेताओं को पुरस्कृत किया

मुंबई, एजेंसी। एशिया प्रशांत के नंबर 1 पेंट एवं कोटिंग विनिर्माता निप्पी ग्रुप का हिस्सा निप्पॉन पेंट इंडिया ने हाल ही में चेन्नई में हुए नेशनल फिनाले में एवाईडीए अवार्ड्स 2025-26 के विजेताओं की घोषणा की।

एवाईडीए, वास्तुकारों और इंटीरियर डिजाइनरों की अगली पीढ़ी का पोषण करने के लिए निप्पॉन पेंट द्वारा शुरू की गई एक अंतरराष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता है। वर्ष 2008 में शुरू एवाईडीए बढ़कर एक जीवंत डिजाइन समुदाय में तब्दील हो चुका है जो प्रतिभागियों को बिना किसी शुल्क के मार्गदर्शन, अंतर-क्षेत्रीय सीखने और वैश्विक अनुभव की पेशकश करता है।

इस नेशनल फिनाले में जहां आर्किटेक्चर में नेशनल गोल्ड अवार्ड मैसूरु स्थित वाडियार सेंटर फॉर आर्किटेक्चर से सुश्री सिवानी दिरिसाला ने जीता, वहीं आर्किटेक्चर में नेशनल सिल्वर अवार्ड मुंबई स्थित स्कूल ऑफ एन्वायर्नमेंट एंड

आर्किटेक्चर से सुश्री कीरत कौर गिल को प्रदान किया गया। इंटीरियर डिजाइन वर्ग में नेशनल गोल्ड अवार्ड चेन्नई एकैडमी ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिजाइन से श्री जिष्णु के. ने जीता, वहीं नेशनल सिल्वर अवार्ड भोपाल स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर से सुश्री मीश्वा पटेल को प्रदान किया गया। इस अवसर पर, निप्पॉन पेंट इंडिया के अध्यक्ष (डेकोरेटिव कोटिंग्स बिजनेस) श्री मार्क टीटस ने कहा, एवाईडीए कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए भारत के सबसे सम्मानित डिजाइन एवं आर्किटेक्चर प्रतियोगिताओं में से एक के तौर पर उभरा है जहां देशभर से उभरती प्रतिभाएं एक साथ आती हैं। इस प्लेटफॉर्म ने निरंतर यह प्रदर्शित किया है कि कैसे युवा डिजाइनर संदर्भ, संस्कृति एवं समुदाय के साथ गहराई से जुड़ सकते हैं। निप्पॉन पेंट इंडिया में हम जिम्मेदारी भरी डिजाइन सोच को पोषित करने और विद्यार्थियों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्गदर्शकों एवं साथियों के साथ जुड़ने की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी एस26 सीरीज़, मिलेगा इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और एआई का शानदार अनुभव

मुंबई, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज गैलेक्सी एस26 सीरीज़ लॉन्च की है, जिसमें कमाल की परफॉर्मेंस, इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी एआई अनुभव हैं जो लोगों के रोज़मर्रा के फोन टास्क को आसान बनाएंगे। गैलेक्सी एस26, एस26+ और एस26 अल्ट्रा सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के एआई फोन हैं और यह बैकग्राउंड में बड़ी ही आसानी से जटिल टास्क संभालते हैं, जिससे यूज़र्स सिर्फ़ परिणामों पर फोकस कर सकते हैं।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, प्रेसिडेंट और डिवाइस एक्सपीरियंस डिविजन के हेड, टीएम रोह ने गैलेक्सी एस26 सीरीज़ के साथ, हमने एआई को इतना आसान बनाने पर फोकस किया है कि यह बैकग्राउंड में चुपचाप काम करे, ताकि लोग सिर्फ़ उन चीज़ों पर ध्यान दें जो मायने रखती हैं। गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा सैमसंग का अब तक का सबसे पतला सिर्फ़ 7.9 एमएम का अल्ट्रा डिवाइस है और इसमें मोबाइल फोन में दुनिया का पहला बिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले पेश किया गया है। रोज़मर्रा की स्थितियों जैसे ट्रांसिट, कैफ़े और शेयर्ड जगहों के लिए डिज़ाइन किया गया प्राइवेसी डिस्प्ले, मोबाइल डिवाइस पर पहले कभी नहीं मिला डू इसके हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर मिलकर प्राइवेसी की रक्षा करते हैं और आपके व्यूइंग अनुभव पर भी कोई असर नहीं पड़ता। गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा स्नैपड्रैगन0 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी से पावर्ड है – जो अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है। इसमें सुपर फास्ट चार्जिंग 3.0 की भी खूबी है, जिससे फोन सिर्फ़ 30 मिनट में 75त्न तक चार्ज हो जाता है। गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में कैमरा में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसमें लो-लाइट फोटोग्राफी को बेहतर बनाने वाला वाइडर एपर्चर और डिम कंडीशंस में वाइब्रेंट, क्लियर फुटेज के लिए बेहतर नाइटोग्राफी वीडियो जैसे अपग्रेड शामिल हैं। अपग्रेडेड सुपर स्टेडी टेक्नोलॉजी वीडियो कैप्चर के दौरान स्टेबल फ्रेमिंग सुनिश्चित करती है। एडवांस्ड प्रोफेशनल वीडियो स्टैंडर्ड को सपोर्ट करता है, जो हाई-क्वॉलिटी वीडियो के लिए एफिशिएंट कंप्रेशन देता है। नाउ नज के साथ, समय पर और प्रासंगिक सुझाव यूज़र्स को बिना डिस्ट्रैक्ट हुए फ्लो में बनाए रखते हैं। गैलेक्सी एस26 सीरीज़ में अपग्रेडेड बिक्सबी को कन्वर्सेशनल डिवाइस एजेंट के रूप में पेश किया गया है, जो गैलेक्सी डिवाइसेज़ के साथ इंटरैक्ट करना पहले से कहीं ज़्यादा सहज और आसान बनाता है। यूज़र्स नैचुरल लैंग्वेज का इस्तेमाल करके डिवाइस नेविगेट कर सकते हैं और सेटिंग्स एडजस्ट कर सकते हैं, बिना सटीक टर्मिनोलॉजी या कमांड्स की ज़रूरत के। सीरीज़ में एआई एडिटिंग टूल्स को अपग्रेड किया गया है, रियल-टाइम फीचर्स जैसे नाउ ब्रीफ और बेहतर सर्कल टु सर्च जोड़े गए हैं, साथ ही बिक्सबी, जेमिनी और परप्लेक्सिटी जैसे एजेंट्स के साथ गहरा इंटीग्रेशन किया गया है। सिक्योरिटी सबसे महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें प्राइवेट एल्बम, नॉक्स मैट्रिक्स प्रोटेक्शन, सात जेनरेशन के ओएस अपग्रेड्स और सात साल के सिक्योरिटी अपडेट्स शामिल हैं।

मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट लेकर आया

मिलेंगे छः मिलियन से अधिक स्टाईल, एमबीबी के लिए आकर्षक नए लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल डेस्टिनेशंस में से एक मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट (एमबीबी) लेकर आया है। यह ईवेंट 28 फरवरी से शुरू होगी। मिंत्रा इनसाईडर कस्टमर्स को 24 घंटे पहले यानी 27 फरवरी से इसकी अरली एक्सेस मिल जाएगी। इस एडिशन में फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल श्रेणियों में 20,000 से अधिक इंटरनेशनल और मेड-इन-इंडिया ब्रांड्स के 6 मिलियन से अधिक स्टाईल उपलब्ध होंगे।

कैटेगरी ट्रेंड्स और मांग का पूर्वानुमान

आगामी शादियों के सीज़न और ईद एवं होली जैसे त्योहारों को देखते हुए इस एडिशन में मेंस और वीमेंस एथनिक वियर, ब्यूटी और पर्सनल केयर एवं वॉच और वियरेबल्स की श्रेणियों में तेजी रहने की उम्मीद है। वीमेंस और मेंस वेस्टर्न वियर, मेंस एपरेल, स्पोर्ट्स वियर, और स्प्रिंग-समर एसेंशियल्स में भी अच्छी मांग रहेगी क्योंकि नए सीज़न में शॉपर्स अपनी वारड्रोब को रिफ्रेश करते हैं। इस दौरान लोगों से मिलना-जुलना बढ़ने और ट्रैवर बढ़ने के कारण ट्रैवल एसेंशियल्स, फुटवियर, किड्स वियर, एक्सेसरीज़ और उपहारों की श्रेणियों में भी मांग बढ़ेगी।

जिन ब्रांड्स की मांग ज्यादा रहने की उम्मीद है, उनमें एचएंडएम, नाईक, मैंगो, लेवीज़, यू.एस. पोलो

एसोसिएशन, अनूक, लिबास, स्काईबैग्स, सेरावे, बाथ एंड बॉडी वर्क्स और मैक शामिल हैं।

'मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट देश में लाखों लोगों के साथ अपने सफर को खुशनुमा बनाने के लिए हमारी एक खास ईवेंट है। मिंत्रा के 19 वर्ष पूरे होने पर, हम अपने ग्राहकों के प्यार और हजारों ब्रांड पार्टनर्स के विश्वास के लिए आभारी हैं, जिन्होंने देश में फैशन के परिदृश्य में परिवर्तन लाने में मुख्य भूमिका निभाई है। जहाँ हम ई-कॉमर्स के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करते जा रहे हैं, वहीं हमारा ध्यान एक्सिलेंस बढ़ाते रहने और फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल शॉपिंग में आधुनिक ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने पर केंद्रित रहता है।'

मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट के इस नए एडिशन में फैशन, ब्यूटी और होम की श्रेणियों में नए कलेक्शन और नए ब्रांड लॉन्च पेश किए जाएंगे। फैशन में 30 से अधिक लॉन्च, जैसे हैसब्रो, मालाबार गोल्ड, मिवी, यूरियाज़ आदि शामिल हैं। डी2सी और राईज़िंग स्टार्स पोर्टफोलियो के नए सलेक्शन में रेयर रैबिट स्निच, नोबेरो, रेन एंड रेनबो और चुंबक आदि ब्रांड शामिल हैं। ब्यूटी और पर्सनल केयर (बीपीसी) में आज तक का सबसे विशाल संग्रह पेश किया जा रहा है। 4500 से अधिक ब्रांड्स के प्रीमियम ग्लोबल लेबल जैसे मैक, विक्टोरियाज़ सीक्रेट, बाथ एंड बॉडी वर्क्स, लानीज़, कॉसरक्स, हुडा ब्यूटी, पिक्सी ब्यूटी आदि बहुत ही आकर्षक मूल्य में उपलब्ध होंगे।

कोटक महिंद्रा बैंक ने बताया- स्मार्ट अर्नर्स के बीच बढ़ा पर्पस-लेड कर्ज लेने का रुझान

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक ने शहरी भारत में पर्सनल लोन के रुझानों में एक बड़ा बदलाव देखा है। अब आर्थिक रूप से अनुशासित और अच्छी आय वाले (वेतनभोगी) ग्राहक मजबूरी या संकट के बजाय एक रणनीतिक फैसले के तहत लोन को चुन रहे हैं। पर्सनल लोन अब अपनी पुरानी सिर्फ इमरजेंसी वाली छवि से बाहर निकल रहे हैं। कोविड के बाद, कई ग्राहकों ने निवेश की अपनी परिभाषा को बड़ा किया है। वे अब वित्तीय बढ़त के साथ-साथ अच्छी सेहत, वेलनेस, नए अनुभवों और जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों को भी निवेश जितना ही ज़रूरी मान रहे हैं। अपने लंबी अवधि के निवेश को बीच में भुनाने और कम्पाउन्डिंग (ब्याज पर ब्याज) के फायदे को रोकने के बजाय, ग्राहक अब वेलनेस, पढ़ाई, यात्रा, घर को अपग्रेड करने और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए तय ईएमआई का रास्ता चुन रहे हैं। लोन लेने के तरीके उनकी व्यावहारिक ज़रूरतों को भी दिखाते हैं, जैसे कि पुराने छोटे-मोटे कर्जों को एक साथ समेटना, वाहन खरीदने के लिए पैसों की कमी को पूरा करना और अनुशासित तरीके से किश्तें चुकाकर अपना क्रेडिट प्रोफाइल मज़बूत करना। कई लोगों के लिए पर्सनल लोन एक बैलेंस्ड अप्रोच बन रहा है–इससे वे अपनी आज की ज़रूरतें भी पूरी कर लेते हैं और साथ ही अपनी एसआईपी, शेयर पोर्टफोलियो और रिटायरमेंट प्लान को भी बिना रोके जारी रख पाते हैं। ग्राहकों का भरोसा बढ़ने की मुख्य वजह पारदर्शिता, जल्दी लोन मिलना, आसान ईएमआई स्ट्रक्चर और बिना किसी रुकावट वाली डिजिटल प्रक्रिया है। अमित पाठक, बिजनेस हेड डू पर्सनल लोन, कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा, हम विश्वास से भरा एक बदलाव देख रहे हैं- मज़बूत आय और अनुशासित निवेश की आदत वाले ग्राहक अब अपने पोर्टफोलियो को बेचे बिना अपने ज़रूरी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्सनल लोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे मजबूरी में उधार नहीं ले रहे, बल्कि इसलिए ले रहे हैं ताकि उनकी मेहनत से की गई बचत और निवेश में कोई रुकावट न आए। पर्सनल लोन उन्हें अपनी भविष्य की वित्तीय योजनाओं से समझौता किए बिना आज की ज़िंदगी को पूरी तरह जीने का मौका देता है।

तू या मैं के फ्लॉप होने से निराश हुए आदर्श

मुंबई। अभिनेता आदर्श गौरव हाल ही में फिल्म 'तू या मैं' में नजर आए थे। फिल्म में आदर्श के अभिनय की जमकर प्रशंसा भी हुई। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। अब फिल्म के कलेक्शन पर आदर्श ने निराशा व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने लोगों से नए कलाकारों की ऐसी प्रयोगात्मक फिल्मों को एक मौका देने की भी अपील की। फिल्म के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए एक्टर ने कहा कि अगर ऐसा ही रहा तो मुझ जैसे कलाकार कहां जाएंगे? नए कलाकार कहां जाएंगे?

लाइफ Style

डेजी

परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह ने हाल ही में शादी और मां बनने को लेकर अपनी सोच खुलकर शेयर की है। डेजी शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शादी को डरावना बताया है और उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है। साथ ही मां बनने को लेकर भी उन्होंने बड़ा फैसला लिया है।

एक इंटरव्यू में, 'जय हो' की एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं, ताकि भविष्य में जब भी वे चाहें, वे मां बन सकें। उनका कहना है कि वे अपनी जिंदगी के फैसले अपनी शर्तों पर लेना चाहती हैं। डेजी ने माना कि आजकल रिश्तों से जुड़ी खबरें उन्हें परेशान करती हैं। उन्होंने कहा, 'हर दिन कुछ ना कुछ हो रहा है, कपल्स के ब्रेकअप या वो 'ब्लू ड्रम' जैसे चौंकाने वाले मामले। ये सब बहुत डरावना है।'हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शादी को लेकर ज्यादा सोचा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शादी करेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह फैसला उन्होंने 'ऊपरवाले पर छोड़ दिया है।'इंटरव्यू के दौरान जब उनसे 'प्यार'और 'पैसा'में से एक चुनने को कहा गया, तो 41 साल की एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें दोनों चाहिए। उनका मानना है कि रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन के साथ-साथ आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है। वे चाहती हैं कि उनका पार्टनर खुद से आर्थिक रूप से सुरक्षित और स्वतंत्र हो। मदरहुड पर बात करते हुए डेजी ने साफ कहा, 'परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है।'उन्होंने बताया कि उन्होंने एग फ्रीज करवाने का फैसला इसलिए लिया।

हॉलीवुड मसाला

वॉर्नर ब्रदर्स... को नहीं खरीदेगा
नेटफ्लिक्स

लॉस एंजिल्स। नेटफ्लिक्स और वॉर्नर ब्रदर्स की डील पिछले साल शुरू हुई थी। अब यह डील लगभग खत्म हो गई है। नेटफ्लिक्स इस डील से पीछे हट गया है। नेटफ्लिक्स ने वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी को खरीदने का अपना प्रस्ताव वापस ले लिया है। इससे कई महीनों से चल रही बोली की लड़ाई में पैरामाउंट स्काइडांस आगे हो गई है। वॉर्नर ब्रदर्स ने गुरुवार को कहा कि पैरामाउंट की नई पेशकश नेटफ्लिक्स से बेहतर है। पैरामाउंट ने कुछ दिन पहले अपनी पेशकश बढ़ाते हुए प्रति शेयर 1 डॉलर अधिक देने पर सहमति जताई थी। नेटफ्लिक्स ने वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के लिए अपनी बोली बढ़ाने से मना कर दिया।

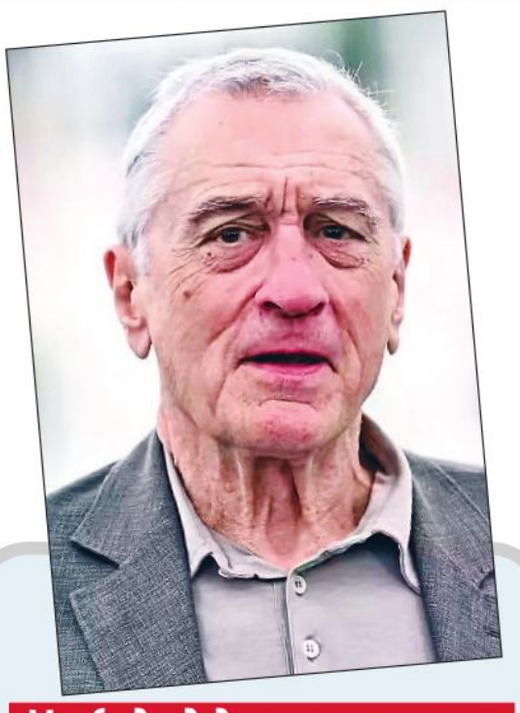

रॉबर्ट ने रोते हुए कहा- आप लोगों को बांट नहीं सकते

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के सबसे महान एक्टर्स में शुमार 82 साल के रॉबर्ट डी नीरो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'देश का दुश्मन' बताया है। उन्होंने ट्रंप सरकार की नीतियों का खुलकर विरोध किया है। यही नहीं, सोमवार को वह अमेरिका के हालात पर बात करते हुए भावुक भी हो गए। उनकी आंखों में आंसू आ गए। रॉबर्ट डी नीरो अपने बेबाक राजनीतिक विचारों के लिए जाने जाते हैं। यह सब तब हुआ, जब वह निकोल वॉलेस के पॉडकास्ट, 'द बेस्ट पीपल' में न्यूयॉर्क शहर और पूरे अमेरिका में हालात पर अपनी गहरी चिंता जाहिर कर रहे थे। रॉबर्ट डी नीरो ने चेतावनी दी कि डोनाल्ड ट्रंप का राज न्यूयॉर्क के लोगों के खिलाफ बदले की कार्रवाई शुरू कर सकता है। लोग जाने वाले नहीं हैं, भले ही ट्रंप किसी वजह से मर जाएं।' आपको लोगों को ऊपर उठाना होगा। आपको उन्हें एक साथ लाना होगा। बस। आप लोगों को बांट नहीं सकते।

अस्सी को लेकर शेयर किया वीडियो...

मुंबई। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी तापसी पन्नू स्टारर फिल्म 'अस्सी', इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को क्रिटिक्स से जबरदस्त प्रशंसा मिली है। वहीं, इसे देखने वाला भी हर इंसान फिल्म की तारीफ कर रहा है। हालांकि, तमाम प्रशंसाओं के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। अब अभिनेत्री तापसी ने फिल्म को लेकर एक वीडियो बनाया है, जिसमें उन्होंने फिल्म को मिल रही तारीफों और रिव्यूज की बात की। वीडियो में तापसी ने 'थप्पड़'से लेकर 'अस्सी'तक के बारे में बात की। साथ ही लोगों से फिल्म देखने की अपील भी की है। तापसी कहती हैं, 'कुछ फिल्में होती हैं, जिनके लिए मैसेज आते हैं कि क्या कमाल की कहानी है। लेकिन, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनके लिए संदेश आते हैं कि ये फिल्म करने के लिए थैंक्यू।

वफादारी पर लिखी दुख भरी बात...

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन न सिर्फ स्क्रीन पर बल्कि सोशल मीडिया के जरिए भी फैंस का दिल जीत लेते हैं, चाहे वो उनके ट्वीट हों या ब्लॉग पर रोजाना की अपडेट। उनके देर रात के पोस्ट अक्सर फैंस का मनोरंजन करते हैं और कभी-कभी उन्हें उलझन में भी डाल देते हैं। हाल ही में, वफादारी पर उनकी एक बात ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। उनके ट्वीट ने फैंस को खूब हंसाया। शुक्रवार (27 फरवरी) की सुबह, एक्टर ने एक वाक्य लिखा जिसने तुरंत सबका ध्यान खींचा। उन्होंने लिखा, 'वफादार लोग दुनिया के हर कोने में मिलते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, पृथ्वी गोल है।' हालांकि, इस कथन का सटीक अर्थ स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन इसने रिएक्शन्स की बाढ़ ला दी। फैंस ने हंसी और अटकलों के साथ रिएक्शन दिया।

टीवी मसाला

कपिल के शो में लंगर लगा हुआ है, आधा पंजाब उसमें है : सुनील

नई दिल्ली। कॉमेडियन सुनील पाल ने एक बार फिर कपिल शर्मा और उनके शो के बारे में बात की है। सुनील ने कहा है कि उन्हें कपिल से कोई शिकायत या मतभेद नहीं है, पर वह उनके शो में तभी जाएंगे, जब कॉमेडियन को वाकई उनकी जरूरत होगी। सुनील ने कहा कि कपिल के शो में लंगर लगा हुआ है, आधा पंजाब उसी में है। एक समय था जब कॉमेडियन सुनील पाल का खूब जलवा था। वह टीवी पर खूब कॉमेडी करते नजर आते थे, पर काफी समय से न सिर्फ कॉमेडी से दूर हैं, बल्कि किसी प्रोजेक्ट में भी नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि, वह अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। साल 2024 में सुनील पाल तब सुर्खियों में आ गए थे, जब उन्हें हरिद्वार एक इवेंट में बुलाने के नाम पर कथित तौर पर किडनैप कर लिया गया था और फिरौती की मांग की गई थी। हालांकि, सुनील पाल के कपिल शर्मा संग रिश्ते की भी खूब चर्चा रही है। अतीत में कई मौकों पर सुनील पाल, कपिल शर्मा के शो और उसके कंटेंट पर कटाक्ष करते नजर आए, पर अब सिर्फ तारीफ है। सुनील पाल ने एक पॉडकास्ट में कहा है कि उनका कपिल के साथ कोई मतभेद नहीं है। बल्कि वह तो उन्हें अपने शो में बुलाते रहते हैं, लेकिन वह तभी जाएंगे जब कॉमेडियन को वाकई उनकी जरूरत होगी। सुनील पाल ने हाल ही कपिल शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे कपिल शर्मा से कोई शिकायत नहीं है। बल्कि मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। कपिल पिछले 12 साल से अपना शो चला रहे हैं। वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और हमेशा अपने दोस्तों की तरक्की का भी पूरा ख्याल रखते हैं। वह दुनिया के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले कॉमेडियन हैं।'

सर्जरी के बाद घर लौटकर बयां किया दर्द

नई दिल्ली। 'ससुराल सिमर का' फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ भले ही छोटे पर्दे से दूर हैं, लेकिन लाइमलाइट में बराबर बनी रहती हैं। पिछला कुछ वक्त उनके लिए मुश्किल से भरा हुआ भी रहा। पहले दीपिका कक्कड़ को लिवर कैंसर हो गया था और फिर सिस्ट। कैंसर के इलाज के बीच जब एक्ट्रेस को सिस्ट हुआ तो वह फैंस को इसकी जानकारी देते हुए इमोशनल हो गई थीं। हाल ही में दीपिका कक्कड़ ने रिवील किया कि उन्होंने उनकी सिस्ट की सर्जरी हो गई है और वह घर लौट आई हैं। घर लौटने के बाद एक्ट्रेस ने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर कर फैंस के साथ अपना दर्द बयां किया है। उन्होंने कहा कि उनका सिस्ट 13 एमएम का था, जिसे ईएफए नाम के एक प्रोसेस के जरिए जला दिया गया था। सर्जरी हो गई है, लेकिन दर्द अभी भी है। दीपिका ने आगे कहा, 'कल रात हम घर लौट आए। पूरा प्रोसेस ठीक रहा। लोग आपको तैयार करते हैं कि यह दोबारा हो सकता है। लेकिन, जब यह असल में होता है, तो इससे निपटने में समय लगता है।

भाई तेरा यार है में लीड रोल निभाएंगे राघव, शूटिंग शुरू

मुंबई। डांसर से एक्टर बने राघव जुयाल अपनी जिंदगी के एक नए और बड़े पड़ाव में कदम रख चुके हैं। उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे द बैड्स ऑफ बॉलीवुड और किल फिल्म में काम कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है।

पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे। राघव की झोली में और भी बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वे नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रावण के बड़े बेटे मेघनाद का किरदार निभाते नजर आएंगे। उनका रोल फिल्म के पार्ट 2 में दिखेगा। इसके अलावा, राघव शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। इसी के साथ राघव 'द पैराडाइज' का भी हिस्सा हैं। इस मल्टीलिंगुअल फिल्म में नानी, कयादू लोहार, मोहन बाबू और सोनाली कुलकर्णी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 21 अगस्त को रिलीज होगी।

जबरदस्ती इंटीमेट सीन्स को लेकर भाग्यश्री ने जताई नाराजगी

मुंबई। भाग्यश्री पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। वो सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। ऐसे में अब एक्ट्रेस अपने एक इंटरव्यू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है, जिसमें उन्होंने फिल्मों में दिखाए जाने वाले इंटीमेट सीन्स को लेकर बात की। भाग्यश्री ने 90 के दशक और आज के सिनेमा के बीच के अंतर के बारे में बात की, और कहा कि आज फिल्मों में जबरदस्ती इंटीमेट सीन्स दिखाने की जरूरत नहीं है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि आज के सिनेमा में उन्हें कौन से बदलाव पसंद हैं और कौन से नहीं, तो भाग्यश्री ने कहा, 'सिनेमा समाज को दिखाता है। 90 के दशक में, यह एकमात्र मनोरंजन था, एकमात्र ऐसी जगह थी जो परिवार को एक साथ समय बिताने का मौका देती थी। आज, परिवार छोटे हो गए हैं, लोग ज्यादा अपने-आप में सोचते हैं, और क्रिएटिव आर्ट के कई तरीके हो गए हैं। इसलिए, चॉइस भी बहुत हैं।' भाग्यश्री ने आगे कहा, 'हालांकि, हर तरह के दर्शकों को खुश करना नामुमकिन हो गया है। फिल्में गुटों, जॉनर, आर्ट फिल्मों वगैरह में बंट गई हैं। मुझे सच में लगता है कि रियलिज्म नया मार्केट है, लेकिन ऐसी करीबी दिखाना जरूरी नहीं है, जिससे आप अपने माता-पिता या बच्चों के साथ बैठकर आसानी से देख नहीं सकें। कहानियां समाज को ध्यान में रखते हुए बिना बोल्डनेस के भी अलग-अलग तरह की और दिलचस्प तरीके से दिखाई जा सकती हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि 90 के दशक में, कहानियां ज्यादा पेट्रियार्कल कैरेक्टर से चलती थीं, जिससे शादी के बाद फीमेल एक्टर्स के लिए काम करना कम हो जाता था। उन्होंने आगे कहा कि वर्किंग वुमन अभी भी समाज के लिए एक नया कॉन्सेप्ट है, लेकिन ज्यादा पढ़ी-लिखी महिलाओं के आगे आने से, महिलाओं को कैसे देखा जाता है, इस बारे में सोच बदल गई है। उन्होंने शादी के बाद महिलाओं को काम करने के लिए बढ़ावा देने और सपोर्ट करने के लिए पुरुषों की भी तारीफ की।

रिलीज होंगी सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर फिल्में-सीरीज

इस वीकएंड मिलेगा मनोरंजन का तगड़ा डोज

नई दिल्ली। फरवरी का महीना खत्म होने वाला है। इसी के साथ यह वीक भी विदा ले रहा है। मगर, मनोरंजन के लिहाज से यह वीकएंड काफी शानदार होने वाला है। होली से पहले मस्ती का भरपूर माहौल है। वहीं, मनोरंजन के लिए ओटीटी पर भी खूब बढ़िया इंतजाम हैं। सस्पेंस से लेकर थ्रिलर और कॉमेडी तक, हर किस्म का ऑप्शन दर्शकों के लिए मौजूद है।

द ब्लफ : बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' ओटीटी पर आ चुकी है। इस वीकएंड आप इसे देख सकते हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन फ्रैंक ई फ्लॉवर ने किया है। कहानी के केंद्र में एरेंल 'ब्लडी मैरी'बोडेन (प्रियंका चोपड़ा जोनस) हैं, जो कभी एक खतरनाक समुद्री डाकू रही है।

इक्कीस : दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक दे चुकी है। इस फिल्म के जरिए अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी फिल्म 'इक्कीस' इस साल पहली जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह बायोग्राफिकल वॉर ड्रामा फिल्म है, जो सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल पर आधारित है। अगस्त्य नंदा ने लीड रोल अदा किया है। यह फिल्म गुरुवार 26 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई।

इक कुड़ी : यह शहनाज गिल अभिनीत फिल्म है। इसमें शहनाज ने दोहरी भूमिका अदा की है। यह फिल्म 31 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और दर्शकों से इसे अच्छा रेस्पॉन्स मिला था। 26 फरवरी को यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म चौपाल पर रिलीज हो चुकी है। इस वीकएंड इस फिल्म को देख सकते हैं।

अक्यूज्ड : कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा अभिनीत फिल्म अक्यूज्ड भी इस वीक की ओटीटी लिस्ट में शामिल है। अनुभूति कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 27 फरवरी से स्ट्रीम हो गई है। 'अक्यूज्ड' पोलैंड में सेट सस्पेंस ड्रामा है।

साइको सैयां : इसके अलावा इस वीकएंड पर रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'साइको सैयां' भी देखी जा सकती है। तेजस्वी प्रकाश, रवि किशन और अनुद सिंह ढाका जैसे सितारों से सजी इस सीरीज ने 24 फरवरी को प्राइम वीडियो पर दस्तक दी।

क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम : *मराठी फिल्म 'क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी माध्यम' ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया। अब यह फिल्म ओटीटी पर भी उपलब्ध है। हेमंत धोमे के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दर्शक आज शुक्रवार 27 फरवरी 2026 से जीफ पर देख सकते हैं। इस फिल्म की कहानी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की वजह से मराठी स्कूलों में घटती बच्चों की संख्या के मुद्दे को दिखाती है। इसमें दिखाया गया है कि स्कूल के पुराने छात्र और शिक्षक संस्था को बचाने के लिए साथ आते हैं। फिल्म में सचिन खेड़ेकर, अमेय वाघ, सिद्धार्थ चंदेकर, प्राजक्ता कोली, क्षिति जोग, कादंबरी कदम और हरीश दुधाड़े जैसे सितारे अहम रोल में हैं।*

संगमरमर : *सूरज बड़जात्या के राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी यह सीरीज इस वीक की लिस्ट के लिए शानदार ऑप्शन है। यह कई पीढ़ियों की फैमिली ड्रामा सीरीज है। इसमें अमृता (शीन सविता दास) की कहानी है। उसकी जिंदगी परिवार की जिम्मेदारी और आदित्य (सौरभ राज जैन) के साथ प्यार के बीच एक अहम चुनाव से बदल जाती है। इस सीरीज को परिवार के साथ देखा जा सकता है। 26 फरवरी को यह सीरीज जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई।*

जैक्स-रेहान के हरफनमौला खेल से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराया

⏭ अंग्रेजों ने लगातार तीसरा सुपर-8 मैच जीता ⏭ कीवियों की उम्मीदें पाकिस्तान पर टिकीं

भाषा ⏭ कोलंबो

विल जैक्स और रेहान अहमद के हरफनमौला खेल के दम पर इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में शुक्रवार को यहां हार के कगार से वापसी करते हुए न्यूजीलैंड पर चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। जैक्स ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट और रेहान ने तीन ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लेने बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सातवें विकेट के लिए 16 गेंद में 44 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैक्स ने 18 गेंद में नाबाद 32 रन की ताबड़तोड़ पारी जबकि रेहान ने सात गेंद में नाबाद 19 रन बनाये। न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 159 रन पर रोकने के बाद इंग्लैंड ने तीन गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इस नतीजे के साथ पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जीवित रहीं। अब उसे शनिवार को शनिवार को पाल्लेकल में श्रीलंका को 64 रनों से हराना होगा या 13.1 ओवर में लक्ष्य का पीछा करना होगा नहीं तो न्यूजीलैंड क्वालीफाई कर जाएगा। इंग्लैंड पहले ही तीन मैचों में तीन जीत से अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। लक्ष्य का पीछा करते समय इंग्लैंड की टीम 17 ओवर में छह विकेट पर 117 रन बनाकर संकट में फंसी हुई थी और उसे आखिरी 18 गेंदों पर 43 रन की दरकार थी। टूर्नामेंट में चौथी बार मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये जैक्स और रेहान ने 18वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स पर 22 रन बटोरकर मैच का रुख पलट दिया और समीकरण 12 गेंदों में 21 रन पर ला दिया। इस जोड़ी ने कप्तान मिचेल सैंटनर के ओवर से 16 रन जुटाकर इंग्लैंड को निर्णायक बढ़त दिला दी और इंग्लैंड ने तीन गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले जैक्स और रेहान के साथ आदिल रशीद (28 रन पर दो विकेट) की स्पिनरों की तिकड़ी ने अच्छी शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड को बड़ स्कोर खड़ा करने से रोक दिया।

- न्यूजीलैंड को 4 विकेट से दी मात

10 साल बाद फिर आमना-सामना, वेस्टइंडीज पर ढिलाई नहीं बरतेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम अपने घर में खेलने के बावजूद वेस्टइंडीज को बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेगी। इसकी वजह 2016 का टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल है, जिसमें भारतीय टीम को वेस्टइंडीज ने 7 विकेट से हराकर खिताब जीतने का सपना तोड़ दिया था। 31 मार्च 2016 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुए सेमीफाइनल में एमएस धोनी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने विराट कोहली के नाबाद 47 गेंद पर बनाए 89 रन की मदद से 2 विकेट पर 192 रन बनाए थे। स्कोर कम नहीं था, लेकिन वेस्टइंडीज की मजबूत बल्लेबाजी ने इस स्कोर को बौना साबित कर दिया। लेंडल सिमंस के 51 गेंदों पर 5 छक्कों और 7 चौकों की मदद से खेली गई नाबाद 82 और आंद्रे रसेल के 20 गेंदों पर बनाए विस्फोटक 43 रनों की पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने 19.4 ओवर में 3 विकेट पर 196 रन बनाकर न सिर्फ मैच जीता था बल्कि अपने घर में भारतीय टीम के विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा था। वेस्टइंडीज इंग्लैंड को हराकर चैंपियन बनी थी। उस समय टीम के कप्तान रहे डेरन सैमी मौजूदा समय में टीम के हेड कोच हैं।

खबर संक्षेप

अभिषेक ने आलोचकों को चुप करा दिया: गावस्कर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाकर आलोचकों को चुप कराने के लिए अभिषेक शर्मा की सराहना की लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें इस विस्फोटक बल्लेबाज को रक्षात्मक शॉट खेलते देखकर हैरानी हुई। अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ भी रहे और तीन मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की 72 रन की जीत में 30 गेंदों में 55 रन बनाकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया। गावस्कर ने कहा, 'हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा कितने अच्छे बल्लेबाज। जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।' अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया।

अपने कौशल पर काम कर रहा हूं: अर्शदीप

चेन्नई। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं।

अर्शदीप ने कहा, 'मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं (गेंदबाजी कोच) मोर्ने (मोर्केल) के साथ इस पर काम कर रहा हूं कि मैं कैसे सक्रिय रह सकता हूं। मैं कैसे बल्लेबाजों पर हावी हो सकता हूं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढाल सकता हूं और अपने खेल में कैसे बदलाव ला सकता हूं।

टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है: रबाडा

अहमदाबाद। कैगिसो रबाडा टी20 विश्व कप में अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसा वह चाहते थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका का जीत का सिलसिला जारी है और इसलिए यह तेज गेंदबाज बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने से संतुष्ट है। दक्षिण अफ्रीका की गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ विकेट से जीत के बाद रबाडा ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत नहीं टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है। रबाडा ने कहा, 'यही क्रिकेट का खेल है। कई बार चीजें आपके पक्ष में होती है और कई बार नहीं। दुर्भाग्य से अभी ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जीत रहे हैं।'' दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच अभी तक शानदार संतुलन देखने को मिला है और उन्होंने बहुत अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है।

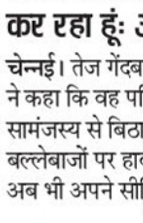

महिला वनडे सीरीज में भारत को हराकर कंगारू टीम ने 2-0 से बढ़त की कायम

ऑस्ट्रेलिया ने 14 ओवर पहले ही चेज कर लिया टारगेट, 5 विकेट से दूसरा वनडे किया अपने नाम

एजेंसी ⏭ होबार्ट

दूसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया। महिला टीमों की इस सीरीज में कंगारू टीम ने 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त कायम कर ली है। होबार्ट में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 251 रन ही बना पाई थी। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 37वें ओवर में ही लक्ष्य को हासिल करके बड़ी जीत हासिल की।

पहले बल्लेबाजी करने आई टीम इंडिया के लिए प्रतिका रावल ने 52 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। स्मृति मंधाना ने 31 रन बनाए, वहीं जेमिमा रोड्रीग्स का बल्ला खामोश रहा, कप्तान हरमानप्रीत कौर ने जरूर 54 रनों का योगदान दिया। एक समय टीम इंडिया ने केवल 2 विकेट खोकर 100 रन बना लिए थे, लेकिन उसके बाद लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। नतीजन भारतीय बल्लेबाजी 251 रनों पर सिमट कर रह गई।

लिचफील्ड और वॉल ने की 119 रनों की पार्टनरशिप

252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलिसा हीली केवल 6 रन बनाकर आउट हो गईं। मगर दूसरे विकेट के लिए फीबी लिचफील्ड और जॉर्जिया वॉल ने 119 रनों की पार्टनरशिप कर भारतीय गेंदबाजी लाइन-अप की कमर तोड़ कर रख दी। लिचफील्ड ने 62 गेंदों में 80 रनों की पारी खेली। दूसरी ओर जॉर्जिया वॉल ने 82 गेंदों में 101 रन बनाकर कोहराम मचाया। बेथ मूनी ने भी 31 रनों का योगदान दिया। भारतीय टीम के लिए काश्वी गौतम और दीप्ति शर्मा ने 2-2, जबकि क्रांति गौड़ ने 1 विकेट लिए।

कप्तान हरमनप्रीत ने संभाली पारी

103 रन पर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंसी भारतीय टीम को कप्तान हरमनप्रीत कौर ने संभाला और छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम का स्कोर 9 विकेट पर 251 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। हरमन आठवें विकेट के रूप में आउट हुईं। दाएं हाथ की इस अनुभवी बल्लेबाज ने 70 गेंदों पर 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से 54 रन की पारी खेली। अमनजोत कौर ने 13, ऋचा घोष ने 22, काश्वी गौतम ने 25 और क्रांति गौड़ ने 19 रन की पारी खेली। अपना डेब्यू कर रही वैष्णवी शर्मा 5 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर और अलाना किंग ने और एनाबेल सदरलैंड ने 2-2 विकेट लिए। मेगन स्कट और निकोला कैरी को 1-1 विकेट मिला। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे 1 मार्च को खेला जाएगा।

भारत हारा सीरीज

3 वनडे मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ब्रिसबेन में खेले गए पहले वनडे मैच में भी टीम इंडिया की बैटिंग लाइन-अप धराशाई हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया ने वह मैच 6 विकेट से जीता था। मगर उससे पहले तीन टी20 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया ने परचम लहराया था। भारत ने टी20 सीरीज 2-1 से जीती थी।

खराब बल्लेबाजी भारत को महंगी पड़ी: हरमनप्रीत

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद यह भारतीय टीम की पहली 50 ओवर की श्रृंखला है। वनडे श्रृंखला के बाद एक टेस्ट भी खेला जाएगा। हरमनप्रीत ने कहा, 'हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। एक समूह के तौर पर हमने तय किया कि पहले बल्लेबाजी करते हैं और 300 से ज्यादा का स्कोर बनाएंगे क्योंकि पिच पिछले मैच की पिच से कहीं बेहतर थी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।' हरमनप्रीत ने कहा, 'हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या लक्ष्य का पीछा करते हुए, हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी क्योंकि जब भी हम अच्छी बल्लेबाजी करते हैं, हम अच्छी स्थिति में होते हैं।

मैं परिणाम से बहुत खुश हूं : एलिसा

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली संन्यास लेने से पहले रविवार को अपना आखिरी मैच खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं परिणाम से बहुत खुश हूं। यह उन मैच में से एक था, जहां मुझे लगा कि वे अच्छा स्कोर बनाने से बहुत पीछे रह गए, लेकिन साथ ही यह हमारे लिए हताशाजनक भी था क्योंकि मुझे लगा कि हम उन्हें थोड़ा और पहले आउट कर सकते थे। लेकिन इस तरह के विकेट पर उन्हें 250 रन पर रोकना हमारी टीम की एक शानदार कोशिश थी।

सीजन में 7वीं बार झटके पारी में 5 विकेट

रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने आकिब नबी

एजेंसी ⏭ हुबली

जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी ने शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी में इतिहास रचा। आकिब नबी रणजी ट्रॉफी के 92 साल के इतिहास में एक ही सीजन में 60 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे तेज गेंदबाज बन गए।

आकिब नबी रणजी ट्रॉफी 2025-26 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने। आकिब नबी ने उत्तराखंड के मयंक मिश्रा को पीछे छोड़ा। मयंक मिश्रा ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में आठ मैच में 17.69 के औसत और 2.77 की इकॉनमी से 59 विकेट लिए। आकिब नबी के इस सीजन अब 10 मैच में 12.56 के औसत और 2.65 की इकॉनमी से 60 विकेट हो चुके हैं। आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में 7वीं बार पारी में पांच विकेट लिए। उन्होंने रणजी ट्रॉफी करियर में 15वीं बार पांच विकेट लिए। आकिब नबी ने फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ शिखर शेट्टी को आउट कर यह उपलब्धि अपने नाम की। इससे पहले उन्होंने मयंक अग्रवाल को आउट किया था।

क्वार्टर-सेमीफाइनल में भी लिए थे 5-5 विकेट

रणजी ट्रॉफी का यह सीजन आकिब नबी के लिए बहुत ही शानदार रहा है। आकिब नबी ने इस सीजन क्वार्टर फाइनल में पांच विकेट लिए थे। उसके बाद सेमीफाइनल में भी पांच विकेट लिए। अब फाइनल में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर कर्नाटक के श्रेयस गोपाल हैं। श्रेयस गोपाल ने 10 मैच में 22.04 के औसत और 2.83 की इकॉनमी से 47 विकेट लिए हैं। गुजरात के सिद्धार्थ देसाई चौथे नंबर पर हैं। सिद्धार्थ देसाई ने इस सीजन सात मैच में 18.42 के औसत और 2.63 की इकॉनमी से 45 विकेट लिए।

टी20 विश्व कप सुपर-8

सम्मानजनक विदाई लेना चाहेगा श्रीलंका, बड़ी जीत पर पाकिस्तान की नजर

एजेंसी ⏭ पाल्लेकल

अगर मगर की कठिन डगर पर फंसा पाकिस्तान सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखने के लिए शनिवार को वाले टी20 विश्व कप सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगा।

संघर्षरत श्रीलंका सम्मानजनक विदाई लेने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। पाकिस्तान का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है और वह अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर है। इस ग्रुप से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है जबकि न्यूजीलैंड और पाकिस्तान अंतिम चार में जगह बनाने की होड़ में हैं। श्रीलंका अपने पहले दो मैच हार कर पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है।

बेहतर स्थिति में कीवी टीम

अगर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की बात करें तो कीवी टीम बेहतर स्थिति में नजर आ रही है। न्यूजीलैंड के तीन अंक हैं और उसका नेट रन रेट (3.050) भी पाकिस्तान से बेहतर है।

सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर श्रीलंका

श्रीलंका के पास अपने उत्साही प्रशंसकों को खुश करने का यह आखिरी मौका है लेकिन इसके लिए उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ेगा। श्रीलंका इस टूर्नामेंट का सह मेजबान है। पिछली बार जब 2011 में श्रीलंका सह-मेजबानी कर रहा था, तब वह उपविजेता रहा था।दासुन शनाका की टीम ने शानदार शुरुआत की और ग्रुप चरण में ऑस्ट्रेलिया को करारी शिकस्त देकर खिताब के दावेदारों में अपना नाम शामिल कर लिया था। लेकिन श्रीलंका उस जीत के बाद जिम्बाब्वे, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार तीन मैच हारकर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पथुम निसांका का शतक सुदूर अतीत की किसी घटना जैसा लगता है, क्योंकि श्रीलंका खेल की प्रत्येक विभाग में जूझ रहा है।श्रीलंका की बल्लेबाजी में गहराई और दृढ़ता दोनों की कमी रही है, जिसके चलते वे नियमित रूप से जल्दी विकेट गंवाते रहे हैं और दबाव वाली परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं।

नीमन को हराकर अरविंद ने चौंकाया, गुकेश ने खेला ड्रॉ

एजेंसी ⏭ प्राग

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोव के साथ अंक बांटकर एक और ड्रॉ खेला, लेकिन मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम ने प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के दूसरे दौर में अमेरिका के हैंस मोके नीमन को हराकर सबको चौंका दिया। गुकेश लगातार दूसरी बाजी में सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और उन्हें लगातार दूसरे दौर में अंक बांटने पड़े। उन्होंने पहले दौर में नीमन के साथ भी बाजी ड्रॉ खेली थी। अरविंद ने फिलिडोर डिफेंस अपनाने की अपनी नई पसंद

को जारी रखा, जबकि नीमन ने सफेद मोहरों से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। यह बाजी जब महत्वपूर्ण मोड़ पर थी तब अमेरिकी खिलाड़ी के पास समय कम पड़ गया, जिसका अरविंद ने पूरा फायदा उठाकर जीत हासिल की। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से पहले दौर में मिली हार के बाद चेन्नई के इस खिलाड़ी के लिए यह जीत बेहद खुशी देने वाली थी।

रणजी ट्राफी फाइनल: जम्मू कश्मीर ने बनाई 477 रनों की बढ़त, कर्नाटक की उम्मीद खत्म

एजेंसी ⏭ हुबली

जम्मू-कश्मीर की टीम ने शुभम पुंडीर की 121 रनों की शतकीय पारी की बदौलत पहली पारी में 584 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में केएल राहुल जैसे स्टार खिलाड़ियों से सजी कर्नाटक की टीम आकिब नबी (5 विकेट हॉल) की घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और पहली पारी में 293 रन पर ही सिमट गई।

इसके बाद चौथे दिन के अंत तक जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 186 रन बना लिए और कर्नाटक पर 477 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। अब जम्मू-कश्मीर इस मैच को ड्रॉ की ओर ले जाकर पहली पारी की बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी जीतना चाहेगी। वहीं कर्नाटक की जीत की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं।

उत्तर प्रदेश में हुई एम टी-700 वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर का खिताब जीता

सीनियर टेनिस में भारत के नंबर वन खिलाड़ी बने योगेश

⏭ हिसार

मेरठ उत्तर प्रदेश में एमटी 700 वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें देश-विदेश के अनेक सीनियर टेनिस खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। हिसार के सीनियर टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली ने इस सीनियर टेनिस प्रतियोगिता में अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। एमटी 700 प्रतियोगिता में जीत के बाद वे भारत के नंबर वन सीनियर टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। एमटी-700 प्रतियोगिता टेनिस की टॉप लेवल की प्रतियोगिता है। सीनियर टेनिस में 100, 200, 400 व 700 एमटी की प्रतियोगिताएं होती हैं जिनमें विजयी रहने वाले खिलाड़ियों की वर्ल्ड कोहली हरियाणा के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने आईटीएफ मास्टर्स में भारत का नंबर 1 स्थान हासिल किया है। यह प्रतियोगिता जीतने के बाद योगेश कोहली की इसी साल रोम इटली में होने वाली टेनिस विश्व चैंपियनशिप के लिए चुने जाने की प्रबल संभावना है। योगेश कोहली कोहली हिसार में गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी स्थित टेनिस कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं और खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी देते हैं। उन्होंने गुजवि के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व गुजवि के स्पोर्ट्स डायरेक्टर का कोर्ट में प्रैक्टिस के सहयोग के लिए विशेष तौर पर आभार जताया।

हिसार। मेरठ में आयोजित प्रतियोगिता में जीत दर्ज करने के बाद विजयी मुद्रा में।

- योगेश कोहली की विश्व रैंकिंग 40 और भारत में रैंक 1 हुई
- प्रतियोगिता में जीत के बाद योगेश कोहली का विश्व चैंपियनशिप के लिए चयन की प्रबल संभावना

रैंकिंग निर्धारित की जाती है। इससे पूर्व जनवरी माह में योगेश कोहली ने गुडग़ांव में आयोजित एमटी 400 की प्रतियोगिता जीती थी। अपनी इस उपलब्धि पर योगेश कोहली ने कहा कि यह जीत उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट को जीतने के बाद योगेश कोहली की भारत में रैंकिंग नंबर 1 और विश्व में 40वें स्थान पर पहुंच गई है। योगेश

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का दावा

टैरिफ अनिश्चितता के बीच यूएस के साथ ट्रेड डील में अपने हितों की रक्षा करेगा भारत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा पहले घोषित टैरिफ बढ़ोतरी को रद्द किए जाने के बाद बदली हुई स्थिति को देखते हुए, यदि आवश्यक हुआ तो भारत अपने हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते में फिर से संतुलन लाने का प्रयास करेगा। गोयल ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर बदलती स्थिति को देखते हुए हम हालात पर नजर रखेंगे और भारत के हितों की रक्षा सुनिश्चित करेंगे।

पीयूष गोयल ने कहा कि बदलती परिस्थितियों के बीच अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता जारी है और समझौते के कई सकारात्मक पहलू सामने आए हैं

द्विपक्षीय वार्ता जारी, सकारात्मक संकेत | इस वर्ष भारत के निर्यात में वृद्धि की संभावना

हालात पर नजर रख रहा भारत

ट्रंप प्रशासन और अदालत के निर्णयों के प्रभावों का अध्ययन कर रहे

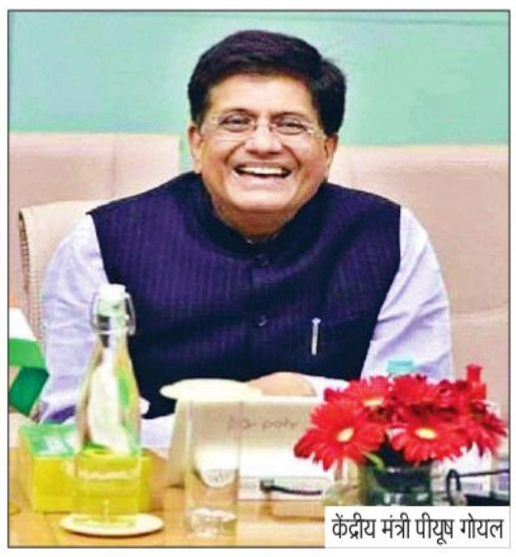

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

फिर से संतुलन बनाएंगे

उन्होंने कहा कि हालात लगातार बदल रहे हैं और ट्रंप प्रशासन ने कुछ बयान दिए हैं। उनके पास अन्य उपाय भी हैं जिनका वे इस्तेमाल कर सकते हैं। अगले हफ्ते वे टैरिफ बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर सकते हैं। साथ ही अन्य कई तरह की बातचीत चल रही है। मैंने कहा था कि अगर हालात बदलते हैं, तो समझौते में फिर से संतुलन स्थापित किया जाएगा।

समझौते में कई सकरात्मक पहलू

उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुए समझौते में कई सकारात्मक पहलू हैं, देखते हैं आगे क्या होता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौता प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के बारे में होता है। बदलती परिस्थितियों के बीच अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता जारी है और समझौते के कई सकारात्मक पहलू सामने आए हैं।

संवेदनशील क्षेत्र संरक्षित रखे गए

गोयल ने दोहराया कि प्रस्तावित व्यवस्था में भारत के संवेदनशील डेयरी और कृषि क्षेत्रों को संरक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद इस वर्ष भारत के निर्यात में वृद्धि की संभावना है।

बैठक पुनर्निर्धारित, नई तारीख का ऐलान जल्द होगा

भारत और वाशिंगटन ने अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर आधिकारिक बैठक को पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया है, ताकि दोनों पक्ष ट्रंप प्रशासन द्वारा किए गए शुल्क वृद्धि को रद्द करने वाले अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के प्रभावों पर विचार कर सकें। दोनों देशों के मुख्य व्यापार वार्ताकारों के नेतृत्व वाली टीमों के बीच तीन दिवसीय बैठक पहले 23 फरवरी को अमेरिका में प्रस्तावित थी। बैठक के लिए एक नई तारीख तय की जाएगी, जो दोनों पक्षों के लिए सुविधाजनक हो।

खबर संक्षेप

नेपाल में 4.7 तीव्रता का भूकंप, कोई नुकसान नहीं

काठमांडू। नेपाल के पूर्वी हिस्से में शुक्रवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमानी पर

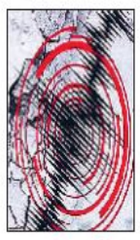

इसकी तीव्रता 4.7 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 3 बजकर 18 मिनट पर आया। इसका केंद्र संखुवासभा और तपलेजुंग सीमा के पास टोपके गोला क्षेत्र में था, जो काठमांडू से लगभग 400 किमी पूर्व में स्थित है। भूकंप के झटके भोजपुर, पांचथर और तेहरथुम जिलों में भी महसूस किए गए। फिलहाल जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए है।

आत्महत्या शब्द खोजने पर इंस्टाग्राम देगा अलर्ट

वॉशिंगटन। सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम ने घोषणा की है कि यदि किशोर उपयोगकर्ता आत्महत्या या

खुद को नुकसान पहुंचाने से संबंधित शब्दों को बार-बार खोजते हैं, तो वह उनके अभिभावकों को सूचित करेगा। यह अलर्ट केवल उन अभिभावकों को भेजे जाएंगे जो इंस्टाग्राम के 'पैरेंटल सुपरविजन' कार्यक्रम में नामांकित हैं। इंस्टाग्राम का कहना है कि वह पहले से ही ऐसे संवेदनशील कंटेंट को किशोरों के सर्च परिणामों में दिखने से रोकता है। इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा दो मुकदमों का सामना कर रही है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में 'छिड़ी जंग', इस्लामाबाद ने ऑपरेशन 'गजब लिल-हक' शुरू किया

काबुल का दावा, 19 चौकियों पर कब्जा, 55 पाक सैनिक मारे, इस्लामाबाद ने 133 लड़कों को मारा

एजेंसी ⏭ काबुल/ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी वायुसेना ने गुरुवार रात अफगानिस्तान के काबुल और कंधार में हवाई हमला किया। इस हमले के बाद अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान पर पलटवार किया है। तालिबान प्रशासन के अनुसार अब तक एक मुख्यालय और 19 चौकियों पर कब्जा किया जा चुका है। चार चौकियां खाली कर दी गईं और उन्हें पूरी तरह जला दिया गया

पाकिस्तानी वायुसेना ने गुरुवार रात अफगानिस्तान के काबुल और कंधार में हवाई हमला किया। इस हमले के बाद अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान पर पलटवार किया है। जिसके बाद दोनों देशों के बीच जारी तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। तालिबान शासन ने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा कि रक्षा मंत्रालय की वायु सेना ने गुरुवार सुबह लगभग 11:00 बजे हवाई हमले किए। इन हमलों का निशाना इस्लामाबाद के फैजाबाद के पास एक सैन्य कैंप और नौशेरा में एक सैन्य अड्डा था। तालिबना के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने कहा कि डूरंड लाइन पर व्यापक जवाबी सैन्य अभियान को शुरू किया गया है। यह कार्रवाई 203 मंसूरी कॉर्प्स और 201 खालिद बिन वलीद कॉर्प्स की तरफ से पक्तिया, पक्तिका, खोस्त, कुनर, नूरिस्तान और नंगरहार प्रांतों के कई इलाकों में और तोरखम गेट पर की जा रही है।

अब तक एक मुख्यालय और 19 चौकियों पर कब्जा किया जा चुका है। चार चौकियां खाली कर दी गईं और उन्हें पूरी तरह जला दिया गया। उनके मुताबिक 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं, जिनमें से 23 के शव और कुछ अन्य सैनिकों को जिंदा हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा दर्जनों हल्के और भारी हथियार जब्त, एक टैंक नष्ट किया गया और एक इंटरनेशनल हार्वेस्टर वाहन कब्जे में लेने का भी उन्होंने दावा किया है। उप प्रवक्ता के बयान में कहा गया है कि जवाबी सैन्य अभियान अभी जारी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 2611 किलोमीटर लंबी सीमा को 'डूरंड लाइन' कहा जाता है, जिसे काबुल ने कभी आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है। इसी सीमा को लेकर पिछले कुछ महीनों में दोनों देश कई बार आमने-सामने आए हैं।

अफगानिस्तान ने दर्जनों हथियार जब्त किए | पाकिस्तान ने तालिबान के 27 ठिकाने नष्ट किए

हमले करती पाकिस्तान और तालिबान सेना

पाक रक्षा मंत्री की धमकी

'अब दमा-दम मस्त कलंदर होगा'

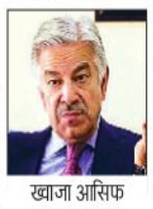

ख्वाजा आसिफ

अफगानिस्तान के हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कंधार और काबुल सहित कई प्रमुख शहरों पर बमबारी की। पाकिस्तान ने इस ऑपरेशन का नाम 'गजब लिल-हक' दिया है। करीब दो घंटे तक चले हवाई हमलों में पाकिस्तान ने 133 अफगान लड़कों को मारने का दावा किया है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने पुष्टि की है कि 133 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए हैं और 200 से अधिक घायल हुए हैं। इन अभियानों में तालिबान के 27 ठिकाने नष्ट कर दिए गए हैं और नौ ठिकानों पर कब्जा कर लिया गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुली जंग का ऐलान किया। साथ ही धमकी भरा बयान जारी करते हुए कहा कि हमारे सब्र का प्याला भर चुका है। अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है। अब दमा दम मस्त कलंदर होगा। इतना ही नहीं उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान की सेना समुद्र पार से नहीं आई है।

बातचीत करें: चीन

चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दोनों देशों से तुरंत युद्धविराम करने की अपील की है। साथ ही दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य टकराव पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि चीन इस स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। चीन दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और आपसी रिश्ते सुधारने में भूमिका निभाने के लिए तैयार है। हमारी अपील है कि बातचीत के जरिए मतभेद खत्म किए जाएं। पड़ोसी और दोस्त होने के नाते चीन इस घटनाक्रम से चिंतित है।

संवाद से करें समाधान: ईरान

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान दोनों देशों के बीच समझ और सहयोग बढ़ाने के लिए जरूरी कोई भी मदद देने के लिए तैयार है। हम बढ़ते संघर्ष से चिंतित हैं और शांति की अपील करते हैं। दोनों देश अपने मौजूदा मतभेदों को अच्छे पड़ोसीपन के ढांचे में और संवाद के रास्ते से प्रबंधित और हल करें। ईरान दोनों देशों के बीच संवाद को सुगम बनाने तथा समझ और सहयोग को मजबूत करने में किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

तनाव कम करें: तुर्की

तुर्की के विदेश मंत्री हकन फिदान ने टेलीफोन पर पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार से बात की है। तुर्की विदेश मंत्रालय ने कहा कि डार से बातचीत में उनके मंत्री ने तनाव कम करने की अपील की है। तुर्की सरकार ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते डेवलपमेंट पर करीब से जुड़े रहने की बात कही है।

सैन्य कार्रवाई रोकें: मलेशिया पीएम

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव पर चिंता जताई और कहा कि उन्हें दोनों तरफ हुई जान के नुकसान का अफसोस है। अनवर ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान से संयम दिखाने और तुरंत सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सुलह सिर्फ बातचीत की टेबल पर ही मुमकिन है।

मतभेद सुलझाएः रूस

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि इस लड़ाई में आर्मी, एयरफोर्स और भारी हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है। दोनों तरफ लोग हताहत हुए हैं, जिसमें आम नागरिक भी शामिल हैं। हम अपने मित्र देशों अफगानिस्तान और पाकिस्तान से अपील करते हैं कि वे इस खतरनाक टकराव को छोड़ दें और सभी मतभेदों को राजनीतिक व कूटनीतिक तरीके से सुलझाने के लिए बातचीत की मेज पर लौट आएं।

उपराष्ट्रपति वेंस का बड़ा खुलासा

अमेरिका नहीं बनेगा मध्य पूर्व में किसी 'लंबे युद्ध' का हिस्सा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन आशंकाओं को सिरे से खारिज कर दिया कि अमेरिका मध्य पूर्व में किसी लंबे युद्ध का हिस्सा बनेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भले ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के विरुद्ध नए सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हों, लेकिन अमेरिका के एक और लंबे क्षेत्रीय संघर्ष में शामिल होने की कोई संभावना नहीं है। वेंस ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य हमले अभी भी विचाराधीन हैं, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि ऐसी कार्रवाई वर्षों तक चलने वाले संघर्ष में तब्दील हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह सोचना कि हम मध्य पूर्व में वर्षों तक बिना किसी अंत के युद्ध में उलझे रहेंगे, इसकी कोई संभावना नहीं है। जेडी वेंस ने आगे कहा कि उन्हें नहीं पता कि ट्रंप आखिरकार क्या निर्णय लेंगे। विकल्पों में ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए सैन्य हमले करना या समस्या का कूटनीतिक समाधान करना शामिल है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम सभी कूटनीतिक विकल्प को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन यह वास्तव में इस बात पर निर्भर करता है कि ईरानी क्या करते हैं और क्या कहते हैं।

जो होना है, वह हमने बता दिया: अराघची

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के दौरान गुरुवार को जिनेवा में दोनों देशों ने वार्ता की। कई घंटों की बैठक के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह गहरी चिंता भरी लंबी बातचीतों में से एक है। जिनेवा में अब तक हुई इन चर्चाओं के बाद कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आशंका बनी हुई है। अराघची ने कहा कि जो कुछ होना है, वह हमारी ओर से साफ कर दिया गया है। जिनेवा में हुई कई घंटों की अप्रत्यक्ष वार्ता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने कहा कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आगे की वार्ता का दौर अगले सप्ताह वियना में होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का मुख्यालय स्थित है।

यूरेनियम संवर्धन जारी रखेगा ईरान

अराघची ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका हमला करता है तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने वैध लक्ष्य माने जाएंगे और इससे व्यापक क्षेत्रीय युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने इसे बहुत डरावना बताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में किसी की जीत नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन जारी रखने के अपने अधिकार पर अडिग है और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहा है। यह रुख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों से अलग माना जा रहा है। ट्रंप की मांग है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पूरी तरह रोके। इसके साथ ही हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों को समर्थन देना बंद करे। वहीं, ईरान का कहना है कि वह केवल परमाणु मुद्दे पर बात करेगा।

औपनिवेशिक प्रतीकों के स्थान पर भारतीय महानायकों और परंपराओं को प्रमुखता देने की मोदी सरकार की एक और पहल

दिल्ली को आकार देने वाले एडविन लुटियंस की प्रतिमा की जगह ली राजगोपालाचारी ने

नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन के केंद्रीय प्रांगण से हटाई गई ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की कांस्य प्रतिमा (बस्ट) को अब राष्ट्रपति भवन संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। यह संग्रहालय पहले से ही कई औपनिवेशिक काल के कलाकृतियों और ऐतिहासिक वस्तुओं को समेटे हुए है।

लुटियंस वही वास्तुकार थे जिन्होंने नई दिल्ली के कई प्रमुख और प्रतिष्ठित भवनों की रूपरेखा तैयार की थी, जिनमें राष्ट्रपति भवन भी शामिल है। पिछले सप्ताह उनके बस्ट को केंद्रीय प्रांगण से हटाकर उसकी जगह देश के अंतिम और एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल रहे सी. राजगोपालाचारी (राजाजी) की प्रतिमा स्थापित की गई। सूत्रों के अनुसार, हटाई गई प्रतिमा को राष्ट्रपति भवन संग्रहालय में अन्य ऐतिहासिक वस्तुओं के साथ रखा गया है। संग्रहालय की स्थापना पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के कार्यकाल में की गई थी। यहां किंग जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी की प्रतिमाएं, एक चंद्र शिला (लूनर रॉक) तथा स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों में राष्ट्रपतियों द्वारा उपयोग की गई एक पुरानी कार भी प्रदर्शित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजाजी की प्रतिमा स्थापना को भारत के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक दौर की पेंटिंग्स और कलाकृतियों के स्थान पर भारत की अपनी कलात्मक परंपराओं से जुड़ी कृतियों को स्थापित करना एक सराहनीय कदम है। उनका कहना था कि संप्रभुता केवल राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि जब नागरिक इन प्रांगणों से गुजरें तो उन्हें अपनी कला, रचनात्मकता और सांस्कृतिक कल्पना का सम्मान होता दिखाई दे। दूसरी ओर, ब्रिटिश जीवविज्ञानी मैट रिडले, जो लुटियंस के परपोते हैं, ने इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे भारत की औपनिवेशिक प्रतीकों को हटाने की इच्छा को समझते हैं, लेकिन लुटियंस वायसराय नहीं, बल्कि एक वास्तुकार थे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राजाजी की प्रतिमा लगाए जाने के निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजाजी राष्ट्रपति भवन के पहले भारतीय अधिवासी थे और भारत के एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल रहे। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति को अपना पद सौंपा था। थरूर ने कहा कि वे राजाजी के विचारों और सिद्धांतों-उदार अर्थनीति, मुक्त उद्यम के समर्थन और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता से लंबे समय से प्रभावित रहे हैं।

सरकार का कहना है कि नए भवनों के निर्माण, पुराने नामों में परिवर्तन और औपनिवेशिक प्रतीकों को हटाने जैसे कदमों के माध्यम से देश अपनी औपनिवेशिक विरासत से आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है। वर्ष 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद पुरानी संसद इमारत, जो लुटियंस की वास्तुकला की पहचान मानी जाती है, को 'संविधान सदन' के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है। इस घटनाक्रम को भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के पुनर्संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जहां औपनिवेशिक प्रतीकों के स्थान पर भारतीय महानायकों और परंपराओं को प्रमुखता दी जा रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए वैज्ञानिकों को दी बधाई

डीआरडीओ ने परीक्षणों को यूजर वेलीडेशन का नाम दिया

डीआरडीओ ने किए बेहद छोटी दूरी के एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के 3 सफल परीक्षण

नई दिल्ली

चीन-पाकिस्तान की ओर से बढ़ते सुरक्षा खतरे के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बेहद छोटी दूरी एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम (वीएसएचओआरएडीएस) के तीन उड़ान परीक्षणों को सफलता के साथ पूरा किया है। जिसमें इस मिसाइल सिस्टम ने तेजी के साथ अलग-अलग रेंज, गति और अल्टीट्यूड में उड़ान भर रहे दुश्मन के कृत्रिम लक्ष्यों की पहचान कर सटीकता से वार कर उन्हें नष्ट कर दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता के लिए डीआरडीओ और सशस्त्र सेनाओं को बधाई दी है। डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. समीर. वी. कामत ने भी इस परीक्षण के लिए डीआरडीओ वैज्ञानिकों की पूरी टीम समेत तमाम अन्य भागीदारों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी हैं।

तीनों सेनाओं की बढ़ेगी मारक क्षमता

ये सिस्टम मेन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम है। जिसे स्वदेशी रूप से डिजाइन-विकास के साथ डीआरडीओ की इमारत प्रयोगशाला ने विकसित किया है। ये मिसाइल तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता को मजबूती प्रदान करने के मददगार साबित होगी।

तय लक्ष्यों को ढूंढा, फिर नष्ट किया

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ये परीक्षण ओडिशा तट के पास चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में किया गया। जिसमें मिसाइल ने तीनों बार अपने निर्धारित लक्ष्यों को बखूबी नष्ट किया। ये लक्ष्य दुश्मन के विमानों की नकल करते हुए तमाम तरह के चुनौतीपूर्ण परिदृश्य के कृत्रिम नजारे के दौरान मिसाइल ने अपने अचूक वार से तहस नहस किए गए। परीक्षणों पर के लिए आईटीआर में मौजूद टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और रडार के माध्यम से गहन निगरानी रखी गई। डीआरडीओ ने इन परीक्षणों को यूजर वेलीडेशन का नाम दिया है। जिसे उसने सशस्त्र सेनाओं और डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारियों और उत्पादन भागीदारों के समक्ष किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com